सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना की शीर्ष पर बढ़त मजबूत -पेज: 7

आ रही है ऋतिक रोशन की नई वेब सीरीज, सबा आजाद भी आएंगी नजर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 188 | बुधवार 15 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

कुपवाड़ा में एनकाउंटर : सेना ने 2 आतंकवादियों को किया ढेर, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी के पास 2 आतंकवादियों को सेना ने ढेर कर दिया है। माचिल और दुदनियाल इलाकों में इस मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान शुरु किया गया है। सेना की ओर से जानकारी दी गई कि कुपवाड़ा सेक्टर में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई। क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इससे पहले, कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने एक पुराने मोर्टार गोले का पता लगाकर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि गोला स्थानीय निवासियों से मिली सूचना के आधार पर रविवार शाम को हीरानगर सेक्टर के करोल मथुरा सीमावर्ती गांव में खेत में बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया और मोर्टार गोले को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया।सीमा सुरक्षा बल ने सर्दियों से पहले जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है, क्योंकि इस दौरान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की आशंका है। बीएसएफ के सीनियर अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी से पता चला कि आतंकवादी घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा पार विभिन्न लांच पैडों पर इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर देखा गया है कि सर्दियों से पहले घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमने अपने जवानों और अधिकारियों को अलर्ट पर रखा है और सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है।

पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान में की हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर संयुक्त अभियान में तरनतारन के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाक सीमा के पास से हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस को बरामदगी में दो एके-47 राइफलें, दो एके-47 मैगजीन, एक पीएक्स5 स्टॉर्म पिस्तौल (मैगजीन सहित) और 10 जिंदा कारतूस मिले है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये हथियार पाकिस्तान से तस्करी के जरिए भारत लाए गए थे। एसएसओसी, अमृतसर ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तस्करों की पहचान करना, उनके नेटवर्क का पता लगाना और उसे ध्वस्त करना। यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस और बीएसएफ की सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर साझा की, और डीजीपी गौरव यादव ने भी इस संबंध में एक पोस्ट किया था। यह अभियान संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की भी अपील की है।

जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगा है। मंगलवार को फिर स्पाइस जेट एयरलाइंस की जयपुर से दुबई फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकी। वहीं दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट भी अपने निर्धारित वक्त से लेट है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में पैसेंजर्स को परेशान होना पड़ा है। दरअसल, दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से लेट चल रही है। फ्लाइट को अल सुबह 3 बजकर 40 मिनट पर दुबई से जयपुर से लिए उड़ान भरनी थी। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से यह फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से 6 घंटे है। जो सुबह 3 बजे बाद जयपुर पहुंचेगी। वहीं स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त पर उड़ान नहीं भर पाई। स्पाइस जेट एयरलाइंस की फ्लाइट को आज सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। इसके बाद फ्लाइट को दोपहर 12 बजकर 55 मिनट पर दुबई पहुंचना था। लेकिन इनकमिंग एयर क्राफ्ट की देरी की वजह से स्पाइसजेट एयरलाइंस ने आखिरी वक्त पर दुबई फ्लाइट को री-शेड्यूल किया है। इसके बाद अब अपने निर्धारित वक्त से लेट 3 बजकर 30 मिनट बाद दुबई के लिए उड़ान भर पाएगी।

16 हजार रुपये के लिए गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह ने पाकिस्तान को भेजी सेना की जानकारी

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह (42) ने मात्र 16,000 रुपए में भारतीय सेना की खुफिया जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंगत सिंह को राजस्थान की सीआईडी इंटेलिजेंस ने 10 अक्टूबर को अलवर से गिरफ्तार किया था। मंगत को एक पाकिस्तानी युवती ने अश्लील वीडियो कॉल करके फंसाया। उसने मंगत के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए और फिर मंगत को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी जासूस लड़की ने उससे अलवर के आर्मी एरिया की जानकारी मांगी। मंगत ने अप्रैल की शुरुआत में अलवर के इटाराणा कैंट एरिया की बाहर से ली गई कुछ फोटो भेजीं। पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उससे सैन्य वाहनों की मूवमेंट की जानकारी मांगनी शुरू कर दी। इसके बाद मंगत को कुल 16,000 रुपए (पहले 8,000 रुपए, फिर 5,000 रुपए और 3,000 रुपए) मिले। मंगत ने जासूसी करने के लिए इटाराणा आर्मी एरिया से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक पुलिसकर्मी का मकान किराए पर लिया ताकि सैन्य गतिविधियों पर आसानी से नज़र रखी जा सके। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस टीम को जून महीने में ही मंगत की गतिविधियों पर शक हो गया था और उन्होंने उसकी निगरानी शुरू कर दी थी।

देश में बच्चों के जन्म की संख्या घटी, लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ा

2023 में 2.50 करोड़ पैदा हुए, यह 2022 से 2.32 लाख कम;

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पर आधारित वाइटल स्टैटिस्टिक्स ऑफ इंडिया की 13 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक कि भारत में साल 2022 की तुलना में 2023 में जन्म में कमी आई, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ा। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2023 में 2 करोड़ 52 लाख बच्चों का जन्म हुआ था, जो साल 2022 की तुलना में 2 लाख 32 हजार कम था। क्योंकि उस साल का आंकड़ा 2 करोड़ 54 लाख 32 हजार था। वहीं, 2023 में 86.6 लाख लोगों की मौत रिकॉर्ड की गई थीं। 2022 में ये आंकड़ा 86.5 लाख रहा था। हेल्थ मिनिस्ट्री के कोविड-19 डेशबोर्ड के मुताबिक 5 मई 2025 तक देश में कोविड के कारण 5 लाख 33 हजार 665 मौतें हो चुकी हैं।

सबसे ज्यादा मौतें 2021 में हुई थीं तब कोविड की सेकेंड वेव चल रही थी। तब 2020 की तुलना में 21 लाख ज्यादा मौतें हुई थीं। 2020 में कुल 81.2 लाख मौतें और 2021 में यह आंकड़ा 1 करोड़ 2 लाख 2 हजार से ज्यादा था।

झारखंड में सबसे कम सेक्स रेशो

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में सबसे कम सेक्स रेशो बर्थ झारखंड का रहा है। यहां प्रति 1000 लडकों पर 899 लड़कियों का जन्म रिकॉर्ड हुआ है। दूसरे नंबर पर बिहार है, यहां का आंकड़ा 900 है। तीसरे नंबर पर तेलंगाना 906, चौथे पर महाराष्ट्र 909, पांचवे पर गुजरात 910, छठे पर हरियाणा 911, 7वें नंबर पर मिजोरम 911 है। 2020 से बिहार लगातार सबसे कम सेक्स रेशो दर्ज कर रहा है। सबसे ज्यादा सेक्स रेशो (जन्म) के मामले में अरुणाचल प्रदेश में पहले नंबर है। यहां प्रति 1000 लडकों पर 1085 लड़कियों ने जन्म लिया। दूसरे नंबर नगालैंड 1007, तीसरे पर गोवा 973, चौथे पर लद्दाख-त्रिपुरा 972, पांचवे पर केरल 967 है।

इन राज्यों में सबसे ज्यादा बर्थ रजिस्ट्रेशन

ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 80-90 प्रतिशत रहा है। वहीं, 14 राज्यों में असम, दिल्ली, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मेघालय और उत्तर प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 50-80 प्रतिशत के बीच रहा है। 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने निर्धारित 21 दिनों के भीतर 90 प्रतिशत से अधिक बर्थ रजिस्ट्रेशन हासिल किया। इन राज्यों में गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन एंड दीव, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पंजाब शामिल हैं। साल 2023 में कुल दर्ज जन्मों में संस्थागत जन्मों (अस्पताल में हुए जन्म) का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा। हालांकि, रिपोर्ट में सिक्किम का डेटा शामिल नहीं किया गया है। पूरे देश में जन्मों का कुल रजिस्ट्रेशन 98.4 प्रतिशत रहा।

मोहन सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पेश किया सर्वे... चर्चा का विषय बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई में सर्वे का जिक्र किया। सर्वे के हवाले से मध्य प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य में 10 हजार शहरी और ग्रामीण परिवारों का सर्वे हुआ। सर्वे में शामिल 56 फीसदी ओबीसी वर्ग के लोगों ने बताया कि जब उच्च जाति का कोई व्यक्ति उनके घर से गुजरता है, तब वे बैठे नहीं रह सकते। वे सम्मान देने के लिए खड़े होते हैं। यह सर्वे महू स्थित डॉ. बीआर आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से हुआ है। राज्य सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी तक बढ़ाने को सही ठहराने की दलील देकर सर्वे को पेश किया गया है। सर्वे को 2023 में किया गया था। सर्वे में शामिल 3,797 परिवारों ने माना कि छुआछूत अब भी उनके गांवों में मौजूद है। इसके अलावा जाति के आधार पर मोहल्ले बंटे हुए हैं। इसके अलावा 3,238 परिवारों का कहना है कि उनके घर में आकर कोई ब्राह्मण पूजा-पाठ नहीं कराता। इसका कारण जाति होता है। इसके अलावा 57 फीसदी यानी करीब 6 हजार लोगों का कहना था कि उनकी जाति के लोगों को मंदिर में पुजारी नहीं बनाया जा सकता। उन्हें किसी मठ या आश्रम का प्रमुख नहीं बनाया जाता। इसके अलावा करीब 50 फीसदी लोगों का कहना था कि उनके परिवार के सदस्यों को धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में प्रवेश नहीं मिलता। एक मजेदार बात यह भी रही कि मध्य प्रदेश सरकार ने अदालत में ओबीसी आरक्षण को लेकर जो एफिडेविट दिया है, उसमें प्राचीन भारत को जातिविहीन बताया गया है। इसके अलावा कहा गया है कि वैदिक काल में भेदभाव नहीं था, लेकिन कालांतर में चीजें बदल गईं। भारत में ही एक वर्ग का जाति के आधार पर भेदभाव हुआ। किसान और पेशेवर जातियों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती चली गई। यही आज ओबीसी वर्ग का हिस्सा हैं। इस दलील के साथ ही राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा है। अब तक सूबे में 14 फीसदी ओबीसी कोटा ही मिलता है।

370 हटाने के विरोध में आईएएस की नौकरी छोड़ने वाले गोपीनाथन ने कहा- कांग्रेस देश को सही दिशा देने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2019 में जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने से व्यथित हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कन्नन गोपीनाथन ने विरोध में नौकरी छोड़ दी। अब उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। इसके बाद कहा कि कांग्रेस ही देश को सही दिशा में ले जा सकती है। साल 2012 बैच के अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के गोपीनाथन ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। वह मिजोरम के आइजोल में कलेक्टर रहे और दादर और नगर हवेली और दमन और दियु में अहम विभागों में सचिव पद पर रहे। साल 2020 में मातृभूमि से बातचीत में गोपीनाथन ने बताया था कि यूपीएससी परीक्षा में उन्होंने 59वीं रैंक हासिल की थी। केरल से आने वाले गोपीनाथन के पिता भी सरकारी कर्मचारी रहे थे।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद गोपीनाथ ने कहा, मैंने 2019 में नौकरी से इस्तीफा दिया और तब ये पता था कि सरकार देश को जिस दिशा में लेकर जा

रही है, वह रास्ता गलत है। मुझे यह भी पता था कि इस गलत के खिलाफ लड़ना है। इस फैसले के बाद मैं देश के 80-90 जिलों में गया, लोगों से बातचीत की और तमाम नेताओं से मुलाकात की। मुझे समझ आया कि कांग्रेस ही इस देश को सही दिशा में ले जा सकती है। उन्होंने कहा, हम बहुत समय बाद प्रजा से नागरिक बने थे, क्योंकि हमें सवाल पूछने का हक है। मगर हमने यह भी देखा कि इस सरकार में जो भी सवाल पूछता है, उसे देशद्रोही बता दिया जाता है। उन्होंने कहा, मुझे काफी वक्त लगा लेकिन खुशी है कि आज मैं कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हूं और मुझे पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

वोट चोरी मामले में बीआरएस ने चुनाव आयोग से की बिहार की तरह एक्शन की मांग

हैदराबाद (एजेंसी)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर वोट चोरी के सबूतों के साथ एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई। इस मुलाकात के बाद, उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस और निचले स्तर के सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से हुए इस लोकतांत्रिक घोटाले का पर्दाफाश किया। केटीआर ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा, जुबली हिल्स में तीन तरह की बड़ी धांधलियां हो रही हैं, सबसे पहले वोटों का भारी दोहराव किया गया है। उन्होंने कहा, एक-एक आदमी को तीन-तीन वोटर आईडी कार्ड जारी किए गए हैं। हमारी जानकारी के मुताबिक, लगभग 2,000 लोगों के पास डुप्लीकेट या ट्रिप्लीकेट वोटर आईडी हैं और ये सभी जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में केंद्रित हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह सिर्फ एक गलती नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। उन्होंने कहा, यह कैसे संभव है कि मनचेरियल, गडवाल और नागरकुरनूल जैसे

जिलों में पंजीकृत मतदाताओं को कांग्रेस पार्टी की मिलीभगत से रातों-रात जुबली हिल्स का वोटर बना दिया गया? अकेले 2 सितंबर को हजारों वोट अवैध रूप से सूची में शामिल कर दिए गए। केटीआर ने चेतावनी दी कि यदि चुनाव आयोग त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहता है तो BRS न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा, सीईओ ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मामले को गंभीरता से देखेंगे। हमें उम्मीद है कि वे कार्रवाई करेंगे, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हम इस लड़ाई को कानूनी रूप से लड़ेंगे। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग पर भी दबाव बनाते हुए कहा, यह विडंबना है कि जो कांग्रेस पार्टी बिहार में वोट चोरी का आरोप लगाती है, वही पार्टी तेलंगाना में उपचुनाव जीतने के लिए उसी तरह के कदाचार में लिप्त है। हम केंद्रीय चुनाव आयोग से भी अपील करते हैं कि वे इस मामले पर संज्ञान लें, राज्य सीईओ से रिपोर्ट मांगें और लोकतंत्र की पवित्रता को बनाए रखने के लिए निर्णायक कार्रवाई करें।

चुनाव आयोग के सामने रखीं तीन मांगें

उच्च स्तरीय जांच

इस पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि निचले स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कैसे संभव हुआ। इसके बाद दूसरी मांग इस चुनावी कदाचार के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों को तत्काल उनके पदों से हटाकर दंडित करने की है। वहीं तीसरी मांग नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने से पहले, धोखाधड़ी से जोड़े गए सभी 19,000 वोटों को मतदाता सूची से तत्काल हटाया जाए।

डब्ल्यूएचओ ने चेताया कहा- तीन कफ सिरप जहरीले हैं, जहां दिखें सूचना दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप से कथित तौर पर करीब दो दर्जन बच्चों की मौत हो गई। इससे डब्ल्यूएचओ की चिंता बढ़ गई है। इस पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने 3 कफ सिरप को लेकर चेतावनी दी है। इसमें जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप भी शामिल है, जिसकी वजह से मध्य प्रदेश के छिंदबाड़ा में बच्चों की मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने सभी अथॉरिटीज से कहा है कि देश में अगर कहीं भी ये सिरप दिखाई दें तो तत्काल हेल्थ एजेंसी को रिपोर्ट करें। ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने श्रीसन फार्मा की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मा की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रिलाइफ सिरप के कुछ विशेष बैचों की पहचान की है, जिनमें मिलावट पाई गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये सिरप स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं और कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जांच में खांसी के इन सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला कैमिकल भारी

मात्रा में पाया गया है। जो एक रंगहीन और गंधहीन रसायन है, इसका उपयोग सिरप को मीठा करने के लिए किया जाता है। जबकि इसका उपयोग मानव उपभोग के लिए नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि कोल्ड्रिफ का उत्पादन तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल निर्माता द्वारा किया गया था। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 48.6 प्रतिशत थी, जो भारतीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों द्वारा निर्धारित 0.1प्रतिशत की स्वीकृत सीमा से बहुत ज्यादा थी। इसके अलावा गुजरात में रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित रेस्पिफ्रेशटीआर कफ सिरप 1.342 फीसदी डीईजी से दूषित पाया गया और गुजरात में शेप फार्मा द्वारा निर्मित रिलाइफ कफ सिरप में भी 0.616 फीसदी डीईजी पाया गया है।

डब्ल्यूएचओ की इस चेतावनी से पहले ही भारत में इन 3 सिरपों को बैन कर दिया गया है। हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित भी किया था कि इन तीनों ही सिरप को सभी मेडिकल स्टोर्स से वापस मंगा लिया गया है और निर्माताओं को इनका उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया है। हालांकि भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी कर खांसी का सिरप प्रिस्क्राइब करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही कहा है कि जो सिरप आमतौर पर 5 साल तक के बच्चों के लिए प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता है उसे किसी भी कीमत पर 2 साल से कम उम्र के बच्चों को न दिया जाए।

एआई आने से आईटी सेक्टर की 50 हजार नौकरियों पर लटकी तलवार

-कंपनियां छंटनियां खुलकर नहीं, 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में कर रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का आईटी सेक्टर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। 2025 के आखिर तक करीब 50 हजार कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि ये छंटनियां खुलकर नहीं, बल्कि 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में की जा रही है। आईटी कंपनियां अब कर्मचारियों को सीधे निकालने के बजाय 'परफॉर्मेंस' या 'रोल एडजस्टमेंट' के नाम पर उन्हें निकाल रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल जहां 25 हजार लोगों की नौकरी गई थी, वहीं इस साल यह संख्या दोगुनी हो सकती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का है, जिसने जुलाई में अपने कुल स्टाफ का 2 फीसदी यानी करीब 12 हजार लोगों को हटाने की योजना बनाई। इसी तरह भी 11 हजार कर्मचारियों को निकालते हुए 865 मिलियन डॉलर का खर्च-कटौती कार्यक्रम शुरू किया है। आईटी सेक्टर की इस मंदी के पीछे सबसे बड़ा कारण है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल।

अब पहले जो काम सैकड़ों इंजीनियर करते थे, वो एआई टूल्स कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियां अब एआई-सक्षम सिस्टम्स पर ज्यादा निर्भर हैं, जिससे पुराने स्किल वाले कर्मचारी अनावश्यक हैं। कई कर्मचारियों के पास अब वे कौशल नहीं हैं जिनकी मांग नए जमाने के प्रोजेक्ट्स में है। आने वाले साल में यह संख्या 60 हजार तक पहुंच सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौर लंबा चल सकता है क्योंकि कंपनियां अब कम लोगों में ज्यादा काम करवाने की ओर बढ़ रही हैं। पुराने मॉडल, जहां बड़ी संख्या में फ्रेशर्स रखे जाते थे, अब अप्रासंगिक हो चुके हैं। हालांकि विश्लेषक कहते हैं कि यह संकट नई स्किल्स सीखने वालों के लिए मौका है। क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी जैसी फील्ड्स में नौकरी की संभावना अब भी बनी हुई है।

ला नीना के प्रभाव से देश में इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड... ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत बर्फ से ढका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इस बार कड़के की ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक चुका है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3एसेल्सियस कम बना हुआ है।

इसकारण ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है।

ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15ए सेल्सियस या उससे भी कम रहता है। ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4एसेल्सियस तक और गिर सकता है।

देश के मध्य में मौजूद मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में न्यूयतम तापमान 15.8एसेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6एसेल्सियस कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है। इधर, राजस्थान में दिन और रात के तापमान में अंतर नजर आने लगा है। सीकर में रात का न्यूयतम तापमान 15एसेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड हुआ।

नेपाल से लेकर कश्मीर तक एक ही नजारा, बर्फ का कैचमेंट भी बढ़ा डॉ. मेहता के मुताबिक ताजा बर्फबारी ने ग्लेशियरों की सेहत दुरुस्त होने के भी संकेत दिए हैं। हिमालय पर तापमान कम होने के चलते इस बार बर्फ पिघल नहीं रही। इससे ग्लेशियर 5 साल के लिए रिचार्ज हो जाएंगे। पूरे उत्तर भारत की नदियों के स्रोत नहीं सूखने वाले है।

सिक्किम, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर नेपाल तक पूरे उच्च हिमालय पर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई है। बर्फ का कैचमेंट एरिया भी बढ़ गया है। इसी वजह से मध्य और निम्न हिमालयी क्षेत्रों व मैदानों में अक्टूबर से ही पारा गिरने लगा है।

दुनिया का औसत तापमान 122 साल में 0.99 डिग्री बढ़ा, अब घट रहा वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप का औसत सतही तापमान पिछले 122 सालों में 0.99ए डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, लेकिन 2025 के आखिर तक यह वृद्धि अस्थायी रूप से उलट जाएगी, क्योंकि ला नीना के कारण वैश्विक औसत तापमान 0.2ए डिग्री तक गिरने की संभावना है।

संपादकीय

पाक-तालिबान जंगी टकराव

पाकिस्तान और अफगान-तालिबान के बीच जंगी टकराव के हालात बन गए हैं। शनिवार गहरी रात में तालिबान लड़ाकों ने पाक चौकियों पर हमले किए। उनका दावा है कि 58 पाक फौजी मार दिए गए और 25 चौकियों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया। भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद भी लड़ाकों के हाथ लगे हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसके 23 फौजी मारे गए हैं, जबकि पलटवार में ड्रोन हमले किए गए। पाकिस्तान करीब 200 अफगान लड़ाकों को मारने और 19 चौकियां कब्जाने का दावा कर रहा है। पाकिस्तान ने 9 अक्तूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर मिसाइल हमला किया था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का मुखिया मुफ्ती नूर वली उसके निशाने पर था, लेकिन वह बच गया। टीटीपी के ह्यआत्मघाती फिदायीनह्ल ने पाकिस्तान में हमला कर कई लाशें बिछा दी थीं। यह संगठन बलूचिस्तान, खैबर में भी पाक फौजियों को हलाक करता रहा है। उनके पलटवार में पाक ने काबुल पर हमला किया था। वैसे पाक और अफगान सेनाओं का कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि अफगानिस्तान के पास वायुसेना या जल की ताकत पनडुब्बियां सरीखे आधुनिक हथियार नहीं हैं। जो अत्याधुनिक राइफलें, मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद, टैंक आदि अमरीकी सेनाएं छोड़ गई थीं, बस तालिबान लड़ाकों की ताकत वही है। तालिबान के पास करीब 40, 000 प्रशिक्षित ह्यआत्मघाती फिदायीनह्ल की ऐसी ताकत है, जो कहीं भी जाकर मौत का विस्फोट कर सकते हैं। तालिबानी हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी भारत के प्रवास पर हैं। उन्होंने मिसाइल हमले को अफगान संप्रभुता पर हमला करार दिया था, लिहाजा 11 अक्तूबर की गहरी रात वाला हमला तालिबान का पलटबदला माना जा सकता है। यह जंगी टकराव और तनाव दो मुस्लिम देशों के दरमियान पसरा है। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच जो ह्यनाटो जैसाह्ल समझौता हुआ था, वह भी बेनकाब हो गया और खोखला साबित हुआ। सऊदी अरब पाकिस्तान के समर्थन में जंग में नहीं कूदा। अलबत्ता कतर की तरह अमन-चैन और संवाद का ही बयान दिया। भारत के संदर्भ में यह जंगी टकराव कई मायने रखता है। तालिबानी विदेश मंत्री आमिर खान ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की संप्रभुता और एकता-अखंडता का समर्थन किया। भारत-अफगान विदेश मंत्रियों का जो साझा घोषणा-पत्र सार्वजनिक किया गया है, उसमें दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता, एकता-अखंडता का समर्थन कर रहे हैं। जाहिर है कि पाकिस्तान की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल भारत सरकार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अफगानिस्तान भेजकर उनकी संसद का निर्माण कराया। योजना आयोग की तर्ज पर एक खास दफ्तर बनाया गया है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शहबाज शरीफ ने चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़कर पाकिस्तान के मस्तक पर चमचे का ताज सजा दिया है

नीरज कुमार दुबे

शर्म-अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन का मंच सिर्फ. पश्चिम एशिया की राजनीति का नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य के संकेतों का भी साक्षी बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब सार्वजनिक रूप से कहा कि 'भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे' और साथ ही भारत को 'महान देश' बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्यक्ष प्रशंसा की, तो यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं था। यह बयान दरअसल उस रणनीतिक संदेश का प्रतीक है, जिसके जरिए ट्रंप एक साथ दोनों एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित रखना चाहते हैं– लेकिन प्राथमिकता के पलड़े भारत की ओर झुके दिखते हैं।

ट्रंप के इस वक्तव्य के पीछे दो परतें साफ दिखती हैं। पहली यह है कि वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता के बिना भारत-पाक युद्ध छिड़ जाता, जो अमेरिकी 'विश्व उद्धारक' की छवि को पुनः स्थापित करने की कोशिश है। दूसरी, मोदी के लिए इस्तेमाल किया गया "my very good friend" जैसा संबोधन न सिर्फ. व्यक्तिगत निकटता दशार्ता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति अब पाकिस्तान की 'रणनीतिक उपयोगिता' से कहीं आगे निकल चुकी है।

भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज पर 'संवाद के साथ संप्रभुता' का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति-अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए 'प्रत्यक्ष बातचीत' में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की 'ईमानदारी' को रेखांकित करते हुए गाजा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की।

इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। 'मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूँ,' से लेकर 'अगर यह सज्जन न होते तो भारत-पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता' तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ. अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा-राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था।

यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से 'समानता' की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत 'धन्यवाद' में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा "He is going to help make that happen, right?" वह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में 'मध्यस्थ' नहीं बल्कि 'निर्देशक' की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने 'कृतज्ञता के ग्रंथ' में बदल डाला।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की 'शांति की राजनीति' में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर 'दूसरों के सहारे' नहीं बल्कि 'अपने सिद्धांतों' पर खड़ा रहेगा।

इस पूरी घटना का सार यही है कि जहाँ ट्रंप अपनी चुनावी छवि के लिए वैश्विक शांति-स्थापक का वस्त्र पहन रहे हैं, वहीं शहबाज शरीफ अपने कूटनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए उस वस्त्र के किनारे झाड़ रहे हैं। मोदी की शांत-नपी-तुली प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास न केवल तीन नेताओं के व्यक्तित्व का अंतर बताता है, बल्कि दक्षिण एशिया के शक्ति-संतुलन का भी प्रतीक है।

शर्म-अल-शेख का यह दृश्य इतिहास में शायद 'गाजा शांति सम्मेलन' के नाम से दर्ज होगा, पर भारत और पाकिस्तान के लिए यह एक और संकेत छोड़ गया कि जो नेतृत्व अपने राष्ट्रीय सम्मान को दूसरों की तारीफों में खो देता है, वह शांति नहीं, पराधीनता का मार्ग चुनता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की

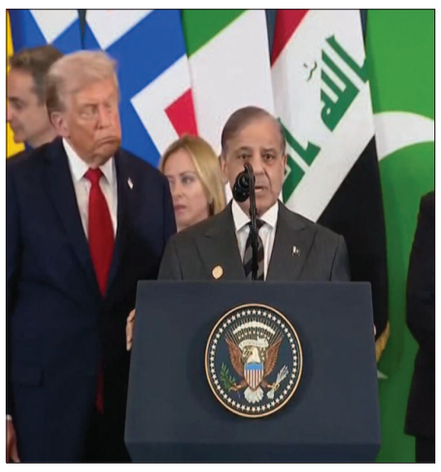

भाषा और बर्ताव ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व किस गरिमा से कर रहे हैं।

बहरहाल, वैसे तो नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ के बीच किसी तरह की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन दो पड़ोसी राष्ट्रों के नेतृत्व के बीच का अंतर इस मंच पर साफ दिखाई दिया। मोदी ने भारत के स्वाभिमान को दृढ़ता से बरकरार रखा और ट्रंप ने मोदी की प्रशंसा की, ना कि मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की। इसके उलट, शहबाज शरीफ ने अपने देश के स्वाभिमान की चिंता किए बिना सार्वजनिक मंच से ट्रंप की खुलेआम चापलूसी की। यह दृश्य दक्षिण एशिया की बदलती राजनीतिक मानसिकता और नेतृत्व की गुणवत्ता पर गहरी टिप्पणी छोड़ गया– जहाँ भारत का नेतृत्व आत्मगौरव और संतुलन का प्रतीक बनकर उभरा, वहीं पाकिस्तान का नेतृत्व आत्मविश्वासहीनता और निर्भरता की छवि में सिमट गया।

दिवाली और छठ पूजा के लिए घर जाने के लिए ट्रेन में बढ़ती भीड़ से यात्री परेशान

कांतिलाल मांडोत

गुजरात मे सूरत उधोग और डायमंड उधोग में रोजगार के लिए उतर भारत के लोगो की संख्या करीब 15 लाख तक पहुंच गई है। दिपाली,छठ पूजा और बिहार चुनाव तीनो अवसर एक साथ आ जाने से सूरत सहित सूरत के उधना स्टेशन पर अप्रत्याशित भीड़ उमड़ रही है। दिवाली और छठ पूजा में गिनती के दिन बाकी है। उसी तरह मुम्बई से उदयपुर,भीलवाड़ा ,चितौड़गढ़ वाया अहमदाबाद से जाने वाली ट्रेन की कमी का खामियाजा सात लाख प्रवासी भोग रहे है। रोजगार ढूंढने आने वाले व्यापारी वर्ग,उधोगपतियों और श्रमिको को घर जाने पर आवागमन की सुविधा नही मिलती है। सूरत शहर में कपड़ा,डायमंड उधोग से जुड़े मजदूर वर्ग को दिवाली वैकेशन का इंतजार रहता है। सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से प्रख्यात सूरत में लाखों प्रवासी श्रमिक हर साल त्योहारों में अपने वतन परिवारों के पास पहुंचते है। खासकर,बिहार चुनाव के मदेनजर रवानगी लेने वालों की संख्या बहुत बढ़ गई है। स्टेशन पर जगह जगह पर अफरातफरी का माहौल है। ट्रेनों में सीट पाने के लिए धक्का-मुक्की की नौबत आ रही है। कई लोग शौचालय में बैठकर सफर कर रहे है। रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए इन्तजाम किये गए है। स्टेशन पर हर कोने पर सीसीटीवी की निगरानी है। लेकिन आलम यह है कि हर बार की तरह यात्री इस बार भी बहुत परेशान हो रहे है। भीड़ वाले हिस्सो में सर्विलांस भी किये गए है। दिवाली अवकाश को लेकर उतर प्रदेश,बिहार, झारखंड और ओडिसा सहित राजस्थान रवाने होने वाले यात्रियों की उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली है। देश भर में 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। जो 15 नवम्बर तक जारी रहेगी। स्पेशल ट्रेन का सफर फेस्टिवल तक सुविधा उपलब्ध की जा सकती है। लेकिन मुम्बई उदयपुर के लिए प्रतिदिन एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है। उदयपुर के लिए साप्ताहिक तीन दिन ट्रेन चलती है। इसके लिए उधोग जगत से जुड़े हुए उधोगपतियों ने रेलवे मंत्री से भी गुहार लगाई है। लेकिन रेल सेवा उपलब्ध नही हुई। मेवाड़ प्रवासियों की संख्या 8 लाख है। मुम्बई और सूरत में कपड़ा उधोग और डायमंड उधोग से जुड़े व्यापारियों और श्रमिको को हररोज बतौर आवागमन करना पड़ता है। सूरत से मेवाड़ के लिए सीधी निजी बसों की सुविधा है। सरकार की एक भी बस सूरत से उदयपुर के लिए नही है। ऐसे हालात में प्रवासियों को बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है। उतर भारत का भी यही आलम है। अहमदाबाद पटना स्पेशल ट्रेन 1 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक,सप्ताह में दो बार चलेगी। सूरत दरभंगा हर तीन दिन में एक ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। बांद्रा टर्मिनल गोरखपुर स्पेशल छठ की पूर्व संध्या पर विशेष ट्रेन,वापसी की व्यवस्था सहित चलाई जा रही है। लेकिन इसके बावजूद सूरत से जाने वालों की संख्या इस बार लाखो है। तब सवाल उठता है कि बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। विशेष ट्रेनों के बजाय नियमित अनरिजर्व्ड ट्रेनों की व्यवस्था की घोषणा की है। फिर भी यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है कि अतिरिक्त ट्रेनें भी कम पड़ रही है। यात्रियों से अपील की जा रही है कि शांति बनाए रखे। टेक्सटाइल उधोग और डायमंड उधोग का प्रमुख केंद्र है। जहाँ बड़ी संख्या में उत्तरभारतीयों और राजस्थान सहित मेवाड़ उदयपुर के प्रवासी है। ये प्रवासी कपड़े की मिलो में काम करते है। जहां से अरबो रुपये का राजस्व रेलवे और केंद्र सरकार को जाता है। लेकिन परिवहन सेवा के लिए आज भी लाखों प्रवासी झुंझ रहे है। सरकार सुनती नही है। कई बार उदयपुर के लिए मेवाड़ रेल चलाओ अभियान की मुहिम चला कर ज्ञापन प्रेषित किया जा चुका है। लेकिन इन प्रवासियों की मांगे मंजूर नही की जा रहीं है। सूरत पर सरकार को आवागमन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उदयपुर मेवाड़ के लिए मुम्बई और सूरत से वाया अहमदाबाद होकर गुजरने वाली एक भी प्रतिदिन चलने वाली ट्रेन की सुविधा नही है। प्रवासी यात्रियों की पीड़ा काश कोई अनुभव कर सकता तो निश्चित ही ट्रेन सुविधा उपलब्ध करा दी गई होती। उत्तरभारत के दिवाली,छठ और बिहार चुनाव के इस संगम को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय विशेष ट्रेन की सुविधा दिवाली के पूर्व उपलब्ध करानी होगी, तभी लोगो का आवागमन सुलभ हो सकता है। उधना में होर्डिंग एरिया में सैकड़ो श्रमिक एकट्ठा हुए हैं। जबकि लाइन लगाकर ट्रेन में बैठने के लिए जान पड़ता है। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए स्थाई समाधान कराया जाए। क्योंकि छठ,पूजा और बिहार चुनाव में सुविधा उपलब्ध हो सकती है। लेकिन उदयपुर मेवाड़ के लिए कई बार ट्रेन उपलबन्ध कराने की मांग स्वीकृत नही हुई है। सूरत से उदयपुर के लिए सप्ताह में तीन दिन यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। वह नाकाफी है। सूरत से निजी बसों का संचालन है। वे मनमाफिक किराया वसूल कर रहे है। सीजन में डबल स्लीपर की रेट उदयपुर के लिए तीन हजार तक मुकर्रर की जाती है। लेकिन उसके बाद भी प्रवासियों को परेशान होना पड़ता है। प्रवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ट्रेन सुविधाओं पर रेल मंत्रालय ध्यान आकृष्ट कर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। देश मे 12 हजार स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। लेकिन सूरत में तो ऊंट के मुह में जीरा वाली कहावत ही चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। उदयपुर, चितौड़गढ़ के बीच सूरत से दूरिया कम होने के कारण यात्रियों का आवागमन होता ही रहता है। जबकि उतर भारतीय तो सालभर में एक बार घर लौटते है। भीड़ की वजह से परिवार बच्चों के साथ यात्रा करने पर अधिक तकलीफ होती है। धक्का-मुक्की से परेशान बच्चे और मेरारु के लिए पीड़ादायक है। सूरत में होर्डिंग एरिया में पैर रखने की जगह नही है। हालात काबू में करने के लिए रेलवे पुलिस ने मैनेजमेंट की व्यवस्था की है। चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। होर्डिंग एरिया में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से खड़े रहने और बैठने की व्यवस्था की गई है। अस्थाई सुविधा के लिए बिहार विकास परिषद और सामाजिक संगठनों ने रेलवे सुविधा देने के लिए अपील की गई है । उधर मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के कार्यकताओं ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से गुहार लगाई है। मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के अध्यक्ष सुरेश लौढा ने बताया कि उदयपुर के लिए हररोज दो ट्रेन की आवश्यकता है। जिसको प्रतिदिन मुम्बई से वाया अहमदाबाद होकर उदयपुर और मावली तक सेवा दी जानी चाहिए,जिससे समस्या का समाधान हो जाएगा। मुम्बई से 750 की दूरी है। जबकि उदयपुर सूरत की 450 किमी की दुरी है। यहां से हर रोज लोगो का आवागमन होता है। दरअसल, उत्तरभारत के लिएभी ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराई जानीही चाहिए। लेकिन उनके लिए फेस्टिवल ट्रेन का बहुत महत्व है। क्योंकि उनको हररोज उत्तरभारतीयों को नही जाना होता है। ट्रेन में इस वक्त सवार होना किसी जंग से कम नही है। धक्का मुक्की कर ट्रेन में प्रवेश भी कर दिया तो अंदर जाकर खड़ा ही रहना पड़ता है। जिससे किसी अनहोनी को नजरअंदाज नही किया जा सकता है। दिवाली महापर्व और उसके बाद बिहार-उत्तर प्रदेश में छठ के त्योहार पर कंफर्म रेल टिकट की मारामारी के चलते प्रवासियों के लिए घर जाना मुश्किल हो रहा है। मध्यप्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़ और गुजरात से बिहार-उत्तर प्रदेश जाने तथा दक्षिण भारत से इन प्रदेशों में आने वाली प्रमुख ट्रेनों में नवंबर के दूसरे सप्ताह तक कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा। सूरत में उधोग से जुड़े श्रमिकों के लिए उत्तरप्रदेश, बिहार,छतीसगढ़, राजस्थान, एमपी आदि राज्यों के लिए ट्रेन सुविधाए उपलब्ध कराए, जिससे श्रमिको को आवाजाही में परेशानी नही हो सके।

रेयर अर्थ को लेकर चीन का रोज रोज का झँझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी

'मिसाइलमैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे, जिन्होंने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों का दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। डा. कलाम की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी का दिल जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ

सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

कलाम साहब ने देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका कुल 52 सदस्यों भरा-पूरा परिवार उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

कलाम साहब कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। 27 जुलाई 2015 को यह महान् शिलांग में विभूति भारतीय प्रबंधन संस्थान एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

मिशन शक्ति 5 अभियान के अंतर्गत गुड टच बेड टच के बारे में दी गई जानकारी

गांव मोहल्ला स्कूल कॉलेज आदि स्थानों पर जाकर किया गया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एवं नोडल अधिकारी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकारी के निकट प्रयवेक्षण में छात्राओं एवं बालिकाओं को बाल विवाह, महिला शिक्षा, लैंगिक समानता और आत्मनिर्भरता जैसे सामाजिक विषयों के सम्बन्ध में जनपद के सभी थानो पर गठित मिशन शक्ति टीम द्वारा स्कूल/कॉलेज, गाँव, कस्बा, बाजारो, बस स्टैन्ड आदि पर महिलाओं को जागरुक करने एवं हेल्प लाइन नम्बरों 1098,112 की जानकारी देते हुये स्कूल/कालेज मे पढने वाली बच्चियों/छात्राओं को सरल भाषा में गुड टच बैड टच आदि के बारे में भी जानकारी दी गयी तथा जन जागरुकता अभियान चलाकर महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के बारे में बताया गया। मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में जनपद के सभी थाने व पीआरवी के टीम के द्वारा गांव, मोहल्ला,स्कूल, कॉलेज, बाजार, चौराहों आदि स्थानों पर जाकर बालिकाओं एवं महिलाओं को सरल तरीके से गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से समझाया गया । बालिकाओं को बाल यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट (ढडउरड अू३) और बच्चों से जुड़े अन्य अपराधों की पहचान, उनसे सुरक्षा के उपाय, एवं उनके विरुद्ध कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई ।इसके अतिरिक्त बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, साइबर अपराध, और अन्य बाल अपराधों के विषय में भी बच्चों को अवगत कराया गया । मिशन शक्ति टीम ने बच्चों को 1098 (चाइल्डलाइन हेल्प नंबर) एवं 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा) के बारे में भी जानकारी दी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे सहायता प्राप्त कर सकें । मिशन शक्ति पुलिस टीम ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे कभी भी किसी असामान्य तथा असहज स्थिति का सामना करें, तो निडर होकर अपने माता-पिता, शिक्षकों या नजदीकी पुलिस अधिकारी को बताएं । कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें संवेदनशील विषयों पर खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करना तथा एक सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण का निर्माण करना तथा शासन द्वारा उनके सशक्तीकरण हेतु चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें पम्प्लेट वितरित किए गए ।

गजरौला में टाईल्स से भरे ट्रक का स्टिंग फैल, अनियंत्रित होकर दुकान में घुसा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में एक टाईल्स से भरे ट्रक का स्टेरिंग फेल होने से वह अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसा। हादसा होते ही मौके पर भगदड़ सी मच गई। घटना की जानकारी देते हुए ट्रक ड्राइवर ने बताया कि अचानक ट्रक का स्टेरिंग फेल होने से यह हादसा हुआ है। बता दें कि मामला नगर कोतवाली के इंदिरा चौक का है जहां पर एक ट्रक गुजरात से टाइल्स भरकर दिल्ली से होते हुए नूरपुर जा रहा था ।जैसे ही वह नगर के इंदिरा चौक पर पहुंचा तो अचानक ट्रक का स्टेरिंग फेल हो गया, जिससे ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क के बीच लगे डिवाइडर को पार करते हुए एक दुकान में जा घुसा। हादसा होते ही मौके पर भगदड़ मच गई ,घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई ,गनीमत यह रही की इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ ।वहीं ट्रक चालक महेंद्र सिंह और कंडक्टर सुखलाल ने बताया कि ट्रक का स्टेरिंग फेल होने से वह अनियंत्रित हो गया जिस कारण यह हादसा हुआ है।

आदमपुर पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले 02 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

1,500ग्रा चरस(सुल्फा), 29,500/- रुपए नकद, 02 मोबाइल व एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत, आदमपुर पुलिस द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले दो अभियुक्त रामकुँवर उर्फ छुट्टन गरुजी पुत्र भरत सिहं नि0 ग्राम मरौरा, सचिन कुमार त्यागी पुत्र ईश्वर चन्द नि0 ग्राम मरौरा को एक थैले में 1,500ग्रा चरस(सुल्फा) व 29500/- रुपए नकद व 02 मोबाइल व एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना आदमपुर पर मु0अ0सं0 164/2025 धारा 8/20 NDPS अू३ पंजीकृत किया गया । ज्ञात रहे कि सोमवार की रात्रि को व0उ0नि0 अजेन्द्र तोमर, उ0नि0 सहन्सरपाल सिंह , हे0का0 309 दिनेश कुमार , कां0 1236 विशेष राणा व कां0 1341 हरविजय के द्वारा चैकिंग के दौरान ग्राम मरौरा गाँव कुडाघर बहद ग्राम मरौरा से अभि0गण 1.रामकुँवर उर्फ छुट्टन गरुजी पुत्र भरत सिहं नि0 ग्राम मरौरा थाना आदमपुर जिला अमरोहा 2.सचिन कुमार त्यागी पुत्र ईश्वर चन्द नि0 ग्राम मरौरा थाना आदमपुर जिला अमरोहा को एक थैले में 1,500ग्रा चरस(सुल्फा) व 29500 रुपए नकद व 02 मोबाइल व एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा के साथ गिरफ्तार किया गया, जिसके सम्बन्ध मे थाना आदमपुर जनपद अमरोहा पर मु0अ0सं0 164/2025 धारा 8/20 NDPS Act पंजीकृत किया गया है ।

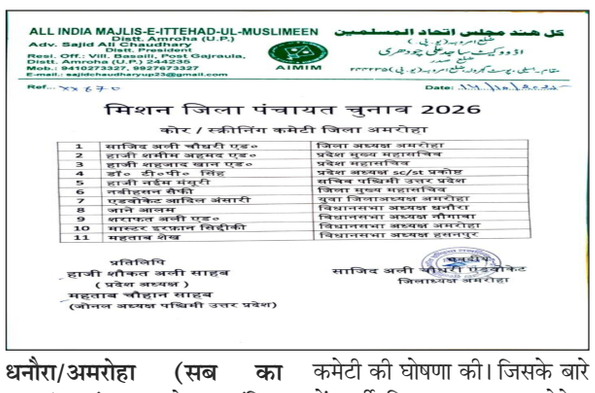

आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन पार्टी ने किया कोर स्क्रीनिंग कमेटी का गठन

ALL INDIA MAJLIS-E-ITTEHAD-UL-MUSLIMEEN
Distt. Amroha (U.P.)
Adv. Sajid Ali Chaudhary
Distt. President
Resi. Off.: Vill. Basaili, Post Gajraula, Distt. Amroha (U.P.) 244235
Mob.: 9410273327, 9927673327
E-mail.: sajidchaudharyup23@gmail.com
AIMIM
كل هند مجلس اتحاد المسلمين

Ref... XX670
Date: 14/10/2025

मिशन जिला पंचायत चुनाव 2026
कोर / स्क्रीनिंग कमेटी जिला अमरोहा

1	साजिद अली चौधरी एड०	जिला अध्यक्ष अमरोहा
2	हाजी शमीम अहमद एड०	प्रदेश मुख्य महासचिव
3	हाजी शहजाद खान एड०	प्रदेश महासचिव
4	डॉ० टी०पी० सिंह	प्रदेश अध्यक्ष sc/st प्रकोष्ट
5	हाजी नईम मंसूरी	सचिव पश्चिमी उत्तर प्रदेश
6	नबीहसन सैफी	जिला मुख्य महासचिव
7	एडवोकेट आदिल अंसारी	युवा जिलाअध्यक्ष अमरोहा
8	जाने आलम	विधानसभा अध्यक्ष धनौरा
9	शराफत अली एड०	विधानसभा अध्यक्ष नौगावा
10	मास्टर इरफ़ान सिद्दीकी	विधानसभा अध्यक्ष अमरोहा
11	महताब शेख	विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर

प्रतिलिपि
हाजी शौकत अली साहब
(प्रदेश अध्यक्ष)
महताब चौहान साहब
(जोनल अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश)

साजिद अली चौधरी एडवोकेट
जिलाध्यक्ष अमरोहा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को आल इंडिया मजलिस -ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन पार्टी ज़िला अमरोहा द्वारा ज़िला पंचायत चुनाव 2026 को लेकर जिले के सीनियर नेताओं और जिम्मेदार पदाधिकारियों के साथ जनपद निवासी पार्टी प्रदेश मुख्य महासचिव हाजी शमीम अहमद तुर्क की देखरेख में एक कोर/स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा की। जिसके बारे में पार्टी ज़िला अध्यक्ष एडवोकेट साजिद अली चौधरी ने बताया कि यह कमेटी जिला पंचायत चुनाव के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवेदन करने वालों की स्थिति परखने का काम करेगी और जिताऊ उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने का काम करेगी गौरतलब हो कि पार्टी पूरे दमखम के साथ ज़िला पंचायत चुनाव में हिस्सा लेगी और लगभग सभी सीटों पर पार्टी समर्थित प्रत्याशी उतारने का काम करेगी घोषित कोर/स्क्रीनिंग कमेटी में ज़िला अध्यक्ष एडवोकेट साजिद अली चौधरी के अलावा प्रदेश मुख्य महासचिव हाजी शमीम अहमद तुर्क, प्रदेश महासचिव हाजी शहजाद खान एडवोकेट, एस सी/एस टी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ टी पी सिंह, पश्चिमी प्रदेश सचिव हाजी नईम मंसूरी, ज़िला मुख्य महासचिव नबीहसन सैफी, युवा ज़िला अध्यक्ष एडवोकेट आदिल अंसारी, विधान सभा अध्यक्ष धनौरा जाने आलम, विधानसभा अध्यक्ष नौगांवा शराफत अली एडवोकेट, विधानसभा अध्यक्ष अमरोहा मास्टर इरफान सिद्दीकी, विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर महताब शेख शामिल हैं !

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने पनीर फैक्ट्री पर की छापेमारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी अमरोहा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा मुखबिर की गुप्त सूचना पर गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम मौहरका पट्टी के जंगलों में अवैध रूप से बिना लाइसेंस रजिस्ट्रेशन के संचालित की जा रही पनीर की फैक्ट्री पर छापा डाला गया है मौके पर कार्य करने वाले कर्मचारी भाग खड़े हुए पनीर फैक्ट्री में लगभग 4.5 क्विंटल पनीर अस्वास्थ्यकर इस दशा में रखा हुआ पाया गया पनीर सीमेंट की वादियों में पानी में रखा हुआ था पानी गंदा था पानी गंदा था जिसके कारण पानी भी दूषित हो गया इसके अलावा पनीर फैक्ट्री में एक प्लास्टिक के बैग में एक सफेद रंग का कैमिकल भी मिला था न पनीर की बैटरी चोरी चुपके से खेतों में चलायी जा रही थी पता करने पर ज्ञात हुआ कि निर्माण का कार्य इरफान पुत्र यूसुफ निवासी ग्राम मौहरका थाना गजरौला क्षेत्र का रहने वाला गजरौला क्षेत्र का रहने वाला है इसका पूर्व में भी नकली दूध पनीर बनाते हुए मोहल्ला चमन बाग गजरौला में पनीर कारखाना पकड़ा गया था जिसमें विश्लेषण रिपोर्ट में पनीर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाया गया था एवं मौके पर पकड़े गए रसायन में मैग्नीशियम सिलीकेट पाया गया जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बरामद पनीर को पास के ही एक तालाब में नष्ट कराया गया नष्ट कराए गए पनीर की कीमत लगभग 1,26, हजार रुपया है इसके अलावा खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम के द्वारा जनपद के अनेक स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए पनीर मिठाइयों के नमूने लिए गए हैं

बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के रामलीला ग्राउंड में संचालित हो रहे अमरोहा ट्रेड फेयर 2025 के अंतर्गत बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और मां सरस्वती की वंदना की गई। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी और डीपीओ राकेश सिंह सहित सम्बंधित उपस्थित रहे। तदुपरांत सामान्य शिष्टाचार के बाद मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं 6 माह के बच्चों का अन्नप्राशन किया गया तथा गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान खानपान का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा एक नाटक के माध्यम से विभागीय योजनाओं का मंचन किया गया तथा जनसाधारण को किस प्रकार लाभ मिल सकता है इसके विषय में अवगत कराया गया। नगर पालिका परिषद द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकताओं को गर्भवती महिला एवं बच्चों के वजन के संबंध में वजन मशीन उपलब्ध कराई गई। मौके पर इक्कीस आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वजन मशीन प्रदान की गई। कार्यक्रम में समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं क्षेत्रीय मुख्य सेविकाओं सम्मलित हुयीं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की ग्राम फौंडपुर सिहाली, ब्लॉक जोया, उक्त ग्राम में बुखार के रोगियों की सूचना प्राप्त होने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 50 रोगी देखे गए, एक रोगी डेंगू ठर 1 धनात्मक पाया गया, कैंप में जनपद स्तरीय फ्फ्ळ टीम तथा ब्लॉक स्तरीय फ्फ्ळ टीम द्वारा सहयोग प्रदान किया गया । ग्राम प्रधान से वार्ता करके गांव में लार्विसाइडल स्प्रे का रसायन उपलब्ध कराया गया तथा आशाओं द्वारा घर-घर एक्टिव केस सर्च तथा सर्वे अभियान चलाया गया अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर गांव में साफ सफाई तथा स्प्रे की व्यवस्था हेतु ग्राम प्रधान तथा सफाई कर्मचारियों को संवेदीकृत किया गया , जिला मलेरिया अधिकारी तथा जिला मलेरिया इंस्पेक्टर तथा जनपद एपिडेमियोलॉजी तथा जिला डाटा मैनेजर द्वारा गांव के स्कूल में, बच्चों को संचारी रोग से बचाव के विषय में बताया गया तथा गांव वालों को भी इस विषय में संवेदिकृत तथा शिक्षित किया गया।

अलग-अलग मेडिकल स्टोर से कफ सीरप के नमूने भर कर भेजे गए प्रयोगशाला

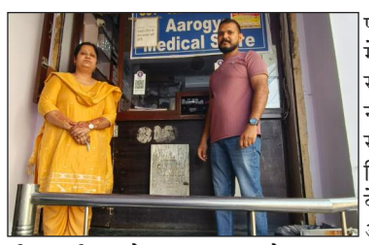

अमरोहा (सब का सपना):- कफ सीरप Coldrif Syrup (batch SR-13) Mfd. By- Shresan pharmaceuticals, tamil nadu में DEG (Diethylene Glycol) पाये जाने के कारण स्वास्थ्य के दृष्टिगत उक्त सीरप का उपभोग न करने एवं बिना डाक्टर की सलाह के कफ सीरप का उपभोग न करने के संबंध में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा प्राप्त निदेशों के अनुपालन में जनपद अमरोहा में आम जनमानस के स्वास्थ्य के दृष्टिगत अमरोहा नगर क्षेत्र में बिजनौर रोड पर मौहल्ला पक्का बाग में स्थित श्री भवानी बच्चों का अस्पताल में संचालित भवानी मेडिकल स्टोर से कफ सीरप के दो नमूने, बिजनौर रोड पर मधुरम बैंकट हॉल के सामने कुंवर नर्सिंग होम में संचालित कुंवर मेडिकल स्टोर से कफ सीरप के दो नमूने तथा बंबूगढ़ चौराहा, अमरोहा पर स्थित आरोग्य नर्सिंग होम में संचालित आरोग्य मेडिकल स्टोर से कफ सीरप के तीन नमूने जांच एवं विश्लेषण हेतु संग्रहित कर प्रयोगशाला प्रेषित किये गये हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात अग्रिम कावार्ही अमल में लायी जायेगी । अभियान आगे भी निरंतर चलता रहेगा जिससे आम जनमानस को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही जनपद के अन्तर्गत संचालित सभी औषधि विक्रेताओं को पुनः निर्देशित किया जाता है कि आप किसी भी दशा में उक्त नाम व कंपनी के कफ सीरप की बिक्री न होने दें तथा क्षेत्रवासियों से अपील है कि आप अपने बच्चों के लिये उक्त नाम व कंपनी के कफ सीरप का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें और यह भी अनुरोध है कि केवल डाक्टर की सलाह पर ही किसी भी नामचीन कंपनी के कफ सीरप को केवल रजिस्टर्ड मेडिकल स्टोर से ही खरीदें और यदि आपके आस-पास उपरोक्त नाम व कंपनी के कफ सीरप के विक्रय करने के संबंध में कोई भी सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल मोबाइल 8077681160 नंबर पर सूचित करें।

दुष्कर्म करने के मामले में फरार युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली में एक किशोरी से कई बार दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी द्वारा किशोरी को सरकारी मदद दिलाने का झांसा दिया गया था। बता दें कि मामला नगर कोतवाली के एक मोहल्ले का है जहां पीड़िता की दादी के अनुसार बताया कि पड़ोस में रहने वाले एक तीन बच्चों के पिता ने उनकी नाबालिक पोत्री को सरकारी सहायता दिलाने का झांसा दिया था, आरोपी ने कहा था कि वह उसके मृत पिता के नाम पर सरकार से ङ्110000 की सहायता दिलवाएगा, आरोपी ने नाबालिक के फर्जी आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र भी बनवाए थे ,उसने किशोरी के साथ निकाह की फर्जी रसीद भी तैयार कराई और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। किशोरी की दादी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी परवेज अली के खिलाफ मामला दर्ज किया था ,जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी परवेज खान पुत्र अली जान को गिरफ्तार कर लिया है। गजरौला इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हसनपुर तहसील पर भाकियू (बी आर अम्बेडकर) का धरना प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील में भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर कार्यकताओं ने संगठन के किसानों संग मिलकर जोरदार धरना प्रदर्शन किया ।यूनियन द्वारा धरना प्रदर्शन करने के उद्देश्य को बताते हुए उन्होंने कहा कि ग्राम पिपलोती कलां,माजरा, श्यामपुरी आदि गांव में लगभग 3000 हजार बीघा सरकारी जूतासु जमीन है,जिसमें वर्तमान प्रधान व अन्य लोग द्वारा प्रति बीघा ङ्3000 वसूली की जा रही है, इसमें राजस्व विभाग व सरकार को चूना लगाने का यह लोग काम कर रहे हैं, हम यह चाहते हैं कि यह जो सरकारी जमीन है वह ग्राम समाज है, वह गरीब असाहय,भूमिहीन किसानों को मिले, जो भी इसका पैसा राजस्व विभाग का बनता है,वह धन राशि राजस्व विभाग में जमा होना चाहिए, राजस्व विभाग के अधिकारी सरकार के नुकसान की भरपाई क्यों नहीं कर रहे है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि विजली विभाग से जुड़ी अनेक समस्याओ को लेकर हमारी यूनियन की ओर से पूर्व में काफी बार लिखित व मौखिक जानकारी विभाग से जुड़े उच्च अधिकारियो को दी गई है लेकिन विभाग के आला अधिकारी उस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं और ना ही कोई सुनवाई कर रहे है। इन्हीं समस्याओ को लेकर भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर धरना प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि संविदाकर्मी जो कि परिवार की गिरोह बनाकर, किसानो,मजदूर को प्रताड़ित कर रहे है जिसके प्रमाण भी हमारे पास है। लेकिन उसके बाद भी संविदा कर्मियों पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। धरना प्रदर्शन के दौरान यूनियन के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी सहित सैकड़ो की संख्या में किसान मौजूद रहे।

अमरोहा ट्रेड फेयर में मिशन शक्ति अभियान के तहत लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के रामलीला मैदान में आयोजित भव्य ट्रेड फेयर के दौरान मिशन शक्ति फेज-5.0 जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) की अध्यक्षता में सभा सदस्यों ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उन्हें सम्मानित किया। यह आयोजन न केवल महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का माध्यम बना, बल्कि स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को भी अपनी स्वदेशी वस्तुओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।ट्रेड फेयर, जो 9 से 18 अक्टूबर तक चल रहा है, ग्रेटर नोएडा के यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर आयोजित किया गया है। इसमें हस्तशिल्प, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, घरेलू सामग्री और दिवाली से जुड़े उत्पादों के सैकड़ों स्टॉल लगाए गए हैं। जिला प्रशासन के निर्देश पर सभी विभागों ने अपने स्टॉल स्थापित किए हैं, जहां स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। धनतेरस और दिवाली के मद्देनजर यह मेला उपभोक्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत आयोजित सभा में सीडीओ ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों को मजबूत बनाने के लिए हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत पांच बालिकाओं को जन्म से लेकर शिक्षा तक की सहायता सुनिश्चित करने वाले प्रमाण पत्र दिए गए। यह योजना बालिकाओं के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा पर केंद्रित है, जो राज्य सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पहल का हिस्सा है।इसके अलावा, निराश्रित विधवा पेंशन योजना के पांच लाभार्थियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिससे उन्हें मासिक पेंशन और अन्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। सभा सदस्यों ने लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ उठाने और समाज में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी, महिला कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला विकास समन्वय समिति की बैठक का हुआ आयोजन 101 बिंदुओं पर की गई चर्चा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में सांसद लोकसभा क्षेत्र संभल जियाउर्रहमान बर्क की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 101 बिंदुओं पर चर्चा हुई, जिसमें जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सितंबर तक 7.71 लाख मानव दिवस सृजित किए गए, जो लक्ष्य का 100.24% है। मनरेगा के तहत ड्ट3244.72 लाख व्यय हुए। सांसद संभल ने रोजगार सृजन और जियो टैगिंग की जांच के निर्देश दिए। दीनदयाल अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, आयुष्मान गोल्डन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, और खाद उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। सांसद बदायूं आदित्य यादव ने योजनाओं के व्यय और कार्यों की सूची मांगी, जबकि विधायक असमोली पिंकी यादव ने खाद वितरण में निष्पक्षता पर जोर दिया। राज्यसभा सांसद जावेद अली ने आयुष्मान गोल्डन कार्ड के लिए परिवार में 5 से अधिक सदस्यों की शर्त पर सवाल उठाया और सरकार से इस पर विचार करने की मांग की। नगरीय नालों, जलभराव, क्षतिग्रस्त सड़कों, और बिना पंजीकृत बसों के संचालन जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने अभियान चलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। सांसद बदायूं ने किसान गोष्ठियों और नुक्कड़ नाटकों के जरिए जागरूकता बढ़ाने की बात कही। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को किसान गोष्ठी और हर शुक्रवार को ग्राम चौपाल में कृषि चौपाल आयोजित होती है। माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय समस्याएं उठाईं, जिनका निराकरण जनकल्याण के लिए जरूरी है। सांसद संभल ने केंद्र और राज्य की योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने और अधिकारियों की जवाबदेही पर जोर दिया। अनुपस्थित अधिकारियों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सांसद बदायूं आदित्य यादव, राज्यसभा सांसद जावेद अली, विधायक इकबाल महमूद, राम खिलाड़ी यादव, पिंकी यादव, मो. फहीम, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में किया गया गोष्ठी का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष 25 दिसंबर 2024 से 25 दिसंबर 2025 तक ,मनाये जाने के संदर्भ में मंगलवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डा. लुबना हामिद ने की तथा संचालन चीफ प्रॉक्टर डा. महताब अमरोहवी ने किया। इस अवसर पर वाणिज्य विभागाध्यक्ष डा.एम अथर कमाल ने जहां स्व अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की तो दूसरी ओर उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे और कहा कि सरकार मिशन शक्ति से नारी सम्मान और सुरक्षा हेतु बहुत अच्छा कार्य कर रही है परन्तु बच्चों में बढ़ते मोबाइल के रुझान कम करने के लिए चीन जैसा कानून बनाये जहां अठारह वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को मोबाइल प्रतिबंधित किया गया है। चीफ प्रॉक्टर डा.महताब अमरोहवी ने कहा कि स्व अटल बिहारी का जहां देश को समृद्ध और एकजुट रखने का प्रयास रहा है तो दूसरी ओर साहित्य सृजन के क्षेत्र में भी उनका अविस्मरणीय योगदान है उन्होंने हिंदी साहित्य को अमूल्य धरोहर से गौरवनित किया है उनकी रचनाओं में देश प्रेम तथा जीवन को नई ऊर्जा मिलती है। प्राचार्या लुबना हामिद ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में स्व अटल जी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन भर कुंवारे रहकर करोड़ो परिवारों को जीना सीखा गए देश को परमाणु शक्ति बनाने में उनका बहुत योगदान रहा है उन्हों ने सदैव निष्पक्ष राजनीति की सभी धर्मों का सम्मान किया और देश को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर किया। इस अवसर पर कसीम अशरफ ,शिक्षा विभागाध्यक्ष डा. नसीम अहमद , डा. रेशमा जैदी ,अरमान सिद्दीकी ,डा.निकहत नकवी ,डा. मुबारक अली ,डा. रूचि अग्रवाल ,अर्चना शर्मा ,अतुल कुमार सोनी,दुदार्ना अकरम फारूकी ,डा.महताब आलम,जुनैद आलम ,उज्मा सैफी,इज्जत अली ,शिवानी सागर समेत छात्र /छत्राओं ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा अटल जी को नमन किया।

मिशन शक्ति 5.0: उत्तर प्रदेश में नारी सशक्तिकरण और सुरक्षा का नया अध्याय

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान ने जनपद संभल में एक नया आयाम स्थापित किया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के मार्गदर्शन में जनपद के सभी थानों की महिला पुलिसकर्मियों ने इस अभियान को गति दी। मंगलवार को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में महिला पुलिसकर्मियों ने चौपालों का आयोजन कर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना जैसी योजनाओं के साथ-साथ पुलिस विभाग की हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में पंपलेट बांटकर लोगों को अवगत कराया गया। एंटी रोमियो टीमें सक्रिय रूप से प्रमुख बाजारों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर तैनात रहीं। इन टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा, ह्लमिशन शक्ति 5.0 के तहत हमारा उद्देश्य न केवल महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है।ह्व अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने जोड़ा, ह्लमहिलाओं और बालिकाओं को उनकी शक्ति और अधिकारों के प्रति जागरूक करना हमारी प्राथमिकता है।

अमरोहा ट्रेड फेयर में जिला प्रशासन के आदेशों को पलीता लगा रही हैं समूह की दीदियां

अमरोहा (सब का सपना):- शहर में इन दिनों 'अमरोहा ट्रेड फेयर 2025' का आयोजन धूमधाम से हो रहा है। यह ट्रेड फेयर स्वदेशी उत्पादकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जहां विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (रऌऋ) की महिलाओं, जिन्हें प्यार से 'दीदियां' कहा जाता है, द्वारा स्वदेशी उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शनी लगाई जा रही है। जिला प्रशासन की ओर से यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का है। ट्रेड फेयर में जूट बैग, कपड़े के थैले, मसाले, हस्तशिल्प वस्तुएं और अन्य स्वदेशी सामग्री की स्टॉल्स सजाई गई हैं, ताकि आमजन अपनी दैनिक जरूरतों की चीजें सस्ते दामों पर प्राप्त कर सके। हालांकि, इस नेक प्रयास में एक अनचाही बाधा आ खड़ी हुई है। ट्रेड फेयर में भाग लेने वाले कई स्वयं सहायता समूहों की दीदियां जिला प्रशासन के स्पष्ट आदेशों की अवहेलना कर रही हैं। प्रशासन ने सभी स्टॉल्स सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक अनिवार्य रूप से खुला रखने के निर्देश जारी किए थे, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। लेकिन कई समूहों द्वारा स्टॉल्स समय पर नहीं लगाए जा रहे हैं। इससे न केवल ट्रेड फेयर का उद्देश्य अधर में लटक गया है, बल्कि आने वाले ग्राहकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग दूर-दूर से आते हैं, लेकिन स्टॉल्स बंद मिलने पर निराश होकर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। विशेष रूप से, विकासखंड अमरोहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नन्हेड़ा आल्यारपुर के गणेश स्वयं सहायता समूह, जो सीएलएफ खुशी गोल्डी मसाले का संचालन कर रहा है, द्वारा कोई प्रदर्शनी नहीं लगाई जा रही। इसी प्रकार, अर्चना स्वयं सहायता समूह अदलपुर समधू और विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत पतेई खालसा से यश स्वयं सहायता समूह द्वारा जूट बैग व कपड़े के बैग की स्टॉल्स स्थापित नहीं की गईं। इन समूहों की दीदियां बिना किसी सूचना के अनुपस्थित हैं। जिला प्रशासन ने ट्रेड फेयर को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया था। जिलाधिकारी की अगुवाई में कई बैठकें आयोजित की गईं, जहां सभी समूहों को समयबद्ध तरीके से भाग लेने के निर्देश दिए गए। लेकिन चंद समूहों की लापरवाही पूरे आयोजन पर साया डाल रही है। अब सवाल यह उठता है कि जिला प्रशासन इन नदारद समूहों पर क्या सख्त कार्रवाई करता है?

टी0बी0 एवं एच0आई0वी0 के बारे में चलाया गया जागरूकता अभियान

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय के कुशल निर्देशन में एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार, त्यागी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टी0बी0 एवं एच0आई0वी0 कार्यक्रम के विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं इसी क्रम में आज हापुड़ के बुलंदशहर रोड़ पर बड़ा मदरसा में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में एच0आई0वी0 सिफलिस और ब्लड शुगर की जांच की गई तथा टी0बी0 की स्क्रीनिंग की गई और दवाइयां का वितरण किया गया शिविर में मदरसा के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह, जिला पी0एम0डी0टी0 / टी0बी0 एच0आई0वी0 कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार जिला पी0 पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी, एच0आई0वी0 काउंसलर, अशोक कुमार, एच0आई0वी0 लैब टेक्नीशियन शिवम कुमार, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक हसमत अली, व दीपक कुमार, एवं टी0बी0 एच0 वी0 मोहम्मद नाशिर, आदि उपस्थित रहें '

ब्लॉक बनियाखेड़ा के ग्राम पचाक में मलेरिया नियंत्रण चलाया गया अभियान

बनियाखेड़ा/ संभल (सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी सम्भल के निर्देशानुसार मलेरिया विभाग की टीम ने ग्राम पचाक में मलेरिया रोगी के घर के आसपास सोर्स रिडक्शन अभियान चलाया। अभियान के दौरान नालियों में लार्वीसाइडल स्प्रे और घरों के भीतर स्पेस स्प्रे कराया गया।ग्राम में कुल 53 घरों की जांच की गई, जिनमें कोई भी लार्वा धनात्मक घर नहीं मिला। घरों के अंदर कंटेनरों की जांच की गई, लेकिन इनमें भी लार्वा नहीं पाया गया। 9 कंटेनरों में पानी भरा मिला, जिन्हें खाली कराया गया। स्पेस स्प्रे 52 घरों में किया गया और कुल 98 कमरों में दवा का छिड़काव किया गया।अभियान के दौरान ग्रामीणों को मच्छर जनित रोगों से बचाव के उपाय बताए गए। जन-जागरूकता के लिए नारा दिया गया जब हम करेंगे समझदारी, निभाएंगे अपनी जिम्मेदारीतो दूर रहेगी हमारे घर से मलेरिया की बीमारी"ग्रामीणों को मच्छरदानी के उपयोग के लाभ, घर व आसपास पानी के जमाव को रोकने के फायदे, तथा सफाई से संक्रामक रोगों की रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। मलेरिया और डेंगू बचाव के पैम्पलेट वितरित कर लोगों को जागरूक भी किया गया।

दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैय्यादूज के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई

सम्भल(सब का सपना):- आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैय्यादूज पर्वों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग, सम्भल द्वारा मिलावट के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाया गया। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ और जिलाधिकारी के निर्देशानुसार खाद्य प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया जा रहा है। इस क्रम में 14 अक्टूबर को विभिन्न स्थानों से खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैंkइंदिरा चौक, बबराला अग्रवाल स्वीट्स हाउस से बेसन के लड्डू मेन रोड, बबराला गंगा स्वीट्स से खोया।चंदौसी मैसर्स लीलाधर पुरुषोत्तम सरन से रिफाइंड सोयाबीन ऑयल।जोया रोड, नगर पालिका सम्भल नईम मिष्ठान भंडार से पेड़ा। जोया रोड, नगर पालिका सम्भल समशीर मिष्ठान भंडार से सोनपापड़ी।ग्राम देहपा, संभल बन्टी मिष्ठान भंडार से खोया। ग्राम मुबारकपुरबंद, सम्भल फरीजुद्दीन पुत्र जमालुद्दीन से सफेद रसगुल्ला। ग्राम मंगनपुर, सम्भल आरिफ पुत्र अशरफ अली से सफेद रसगुल्ला। निरीक्षण के दौरान ग्राम देहपा और मुबारकपुरबंद में सफेद रसगुल्ला का भंडारण अस्वच्छ परिस्थितियों में पाया गया। इसके परिणामस्वरूप, देहपा में 60 किलोग्राम और मुबारकपुरबंद में 50 किलोग्राम सफेद रसगुल्ला नष्ट कराया गया। साथ ही, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 की धारा-32 के तहत सुधार हेतु नोटिस जारी किए गए हैं। अनुपालन न करने पर संबंधित खाद्य कारोबारियों के खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान के तहत 8 अक्टूबर से अब तक विभिन्न खाद्य पदार्थों के 26 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों की सुरक्षा व सम्मान के लिए पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

उत्तर प्रदेश में ऑल इंडिया रिपोर्टर्स एसोसिएशन ने उठाई आवाज

संभल/बहजोई(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए ऑल इंडिया रिपोर्टर्स एसोसिएशन (आईरा) ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी, संभल के माध्यम से जिलाधिकारी कार्यालय पर एक पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। यह मांग पत्र पत्रकारों के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाने की मांग करता है, जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। आईरा के प्रांतीय आह्वान पर पूरे उत्तर प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर सौंपे गए इस ज्ञापन में निम्नलिखित मांगें शामिल हैं। पत्रकारों पर बढ़ते हमलों और उत्पीड़न को देखते हुए तत्काल पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की गई है। यह कानून समाचार

संकलन के दौरान पत्रकारों को कानूनी संरक्षण और हमले की स्थिति में त्वरित न्याय की गारंटी देगा। प्रेस मान्यता प्रक्रिया में पारदर्शिता राज्य और जिला स्तर पर प्रेस मान्यता के लिए ऑनलाइन, पारदर्शी और निष्पक्ष व्यवस्था लागू करने की मांग की गई है। विशेष रूप से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों को उनकी पात्रता के आधार पर मान्यता प्रदान की जाए। पत्रकार कल्याण कोष की स्थापना पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए आकस्मिक दुर्घटना, बीमारी या मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता के लिए स्थायी पत्रकार कल्याण कोष की स्थापना और नियमित अनुदान की मांग की गई है। सहायता वितरण की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध करने पर जोर दिया गया है। पत्रकारों को स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, पेंशन और दुर्घटना बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल करने की मांग की गई है। स्वतंत्र और ग्रामीण पत्रकारों को भी इन सुविधाओं का लाभ देने की अपील की गई है। समाचार प्रकाशन या प्रसारण के कारण पत्रकारों पर झूठे मुकदमे, धमकी या उत्पीड़न जैसी कार्रवाइयों पर तुरंत रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही, किसी भी मामले में गिरफ्तारी या पूछताछ से पहले प्रेस परिषद या जिला प्रेस समिति की अनुमति को अनिवार्य करने का सुझाव दिया गया है। आईरा के जिलाध्यक्ष, संभल, वीरेश ठाकुर ने कहा, "पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। उनकी सुरक्षा, स्वतंत्रता और गरिमा का संरक्षण करना राज्य सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। हमारी मांग है कि इन पांच सूत्रों पर तत्काल सकारात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि पत्रकार निडर होकर जनहित में कार्य कर सकें।" यह मांग पत्र उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करता है और सरकार से उनकी सुरक्षा व कल्याण के लिए ठोस कदम उठाने की अपील करता है। इस अवसर पर संभल जिलाअध्यक्ष वीरेश ठाकुर, जुगल किशोर शर्मा, एस के सक्सेना,महेश राघव, विनय राठौर, योगेश राघव,जरीफ अहमद, रिंकू चौहान, राजकुमार दिवाकर, गौरव कुमार, महानन्दन गौतम,फरजंद अली वारसी, सलीम अंसारी, दिनेश कुमार शर्मा, नेत्रपाल सिंह, अफसर अली, बब्लू सैफी, मुजफ्फर हुसैन, इस्लाम अली,बॉबी कुमार,अफसर अली,आदि पत्रकार साथी मौजूद रहे।

जींद में 150 लोगों के खिलाफ केस दर्ज, ग्रामीणों ने इस वजह से किया था जमकर हंगामा

जींद : जींद जिले के सफीदों उपमंडल के भिड़ताना गांव के पास बने एक्सप्रेस-वे 315A/352A टोल प्लाजा पर शनिवार से जारी विरोध प्रदर्शन ने तूल पकड़ लिया है। स्थानीय ग्रामीणों ने टोल कर्मी सुमित सिवाच की मौत के बाद उसके परिवार को मुआवजा न मिलने के विरोध में टोल प्लाजा को फ्री कर दिया। 2 दिनों से वाहनों से टोल वसूली पूरी तरह बंद है। मृतक सुमित सिवाच, रोहतक के भैणी सुरजन गांव का रहने वाला था, जिसकी करीब 55 दिन पहले ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। आरोप है कि टोल संचालक कंपनी ने अब तक परिवार को कोई मुआवजा नहीं दिया। इसके विरोध में ग्रामीणों ने शनिवार को टोल प्लाजा के बैरियर हटाकर सभी वाहनों को निःशुल्क गुजरने दिया। इस घटना पर टोल संचालक कंपनी राधावल्लभ एसोसिएट्स के प्रबंधक सुनील जैन की शिकायत पर थाना पिल्लूखेड़ा में 150 से अधिक लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, जिनमें 13 नामजद हैं। कंपनी का कहना है कि इससे 2 दिनों में करीब 12 लाख रुपये का नुकसान हुआ। आंदोलनकारियों की मांग वहीं, आंदोलनकारियों की मांग है कि मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और कंपनी में नौकरी दी जाए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

हरियाणा की जिम्मेदारी अब ओपी सिंह के हाथों में, पंचकूला पहुंच नवनियुक्त डीजीपी ने संभाला कार्यभार

पंचकूला : हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक ओ पी सिंह ने आज दोपहर पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक पद के लिए अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पहले पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह आज दोपहर 2:30 बजे पुलिस मुख्यालय में मीडिया प्रतिनिधियों से रूबरू होना था लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते इसे रद्द कर दिया है। बता दें कि हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। सोमवार को सरकार ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेज दिया। मंगलवार को जारी आधिकारिक आदेश में उनकी जगह ओम प्रकाश सिंह को हरियाणा पुलिस का कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया गया है।ओम प्रकाश सिंह को एक सख्त, ईमानदार और निष्पक्ष अधिकारी माना जाता है। वे मूल रूप से बिहार के मधुबनी जिले से हैं और बॉलीवुड अभिनेता दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। ओपी सिंह वर्तमान में हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन, पंचकूला के प्रबंध निदेशक, एफएसएल मधुबन के निदेशक, और हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उनका कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त होने वाला है। राज्यपाल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह नियुक्ति पूर्व डीजीपी शत्रुजीत कपूर की छुट्टी की अवधि के दौरान विभागीय कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। ओपी सिंह तत्कालीन सीएम मनोहरलाल खट्टर के विशेष सलाहकार के तौर पर भी काम कर चुके हैं। सुशांत राजपूत डेथ मिस्ट्री देश भर में सुर्खियों में रही। ओपी सिंह ने उन्हें न्याय दिलाने की लड़ाई भी लड़ी। सुशांत राजपूत के चचेरे भाई नीरज कुमार सिंह बबलू बिहार के छातापुर विधान सभा से वर्तमान विधायक एवं नीतीश कुमार सरकार मे पर्यावरण और वन मंत्री हैं

कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हरीश चंद का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत

संवाददाता

कुशीनगर। उदित नारायण पी.जी. कॉलेज, पडरौना (जिला कुशीनगर) में मंगलवार को 50 यूपी बटालियन एनसीसी, पडरौना के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हरीश चंद का कैडेट्स द्वारा भव्य गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने एनसीसी विभाग का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासित ढंग से ड्रिल, देशभक्ति गीत और सामाजिक जागरूकता पर आधारित प्रस्तुतियाँ दी। जिनमें उनकी सक्रियता, ऊर्जा और समर्पण देखने योग्य रहा। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की भूरी- भूरी प्रशंसा की। कर्नल हरीश चंद ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को केवल अकादमिक शिक्षा तक सीमित न रहकर, आपदा प्रबंधन जैसे सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। एनसीसी कैडेट्स इस दिशा में अनुशासन और नेतृत्व का परिचय देते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर ममता मणि त्रिपाठी के संरक्षण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी द्वारा मुख्यअतिथि कर्नल चंद को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। बीएचएम हवलदार कुलदीप सिंह एवं पूर्व सीनियर कैडेट अमन पटेल को उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हवलदार करनप्रीत सिंह तथा महाविद्यालय के कैडेट्स तेजप्रताप, स्वाती सिंह आदि की सक्रिय भागीदारी सराहनीय थी।

कल्कि महोत्सव के अंतिम दिन बी प्राक की धमाकेदार प्रस्तुति

हजारों की संख्या में उमड़े दशकों ने उनके सुपरहिट गीतों पर झूमकर लगाए ठुमके

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में आयोजित 'संभल कल्कि महोत्सव एवं विकासोत्सव के आठवें और अंतिम दिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मच गई। महोत्सव का समापन बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध गायक बी प्राक की लाइव परफॉर्मेंस के साथ हुआ, जिसने पूरे मैदान को मचलाने पर मजबूर कर दिया। हजारों की संख्या में उमड़े दर्शकों ने उनके सुपरहिट गीतों पर झूम-झूमकर ठुमके लगाए, जबकि सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। यह महोत्सव 6 अक्टूबर से शुरू होकर 13 अक्टूबर तक चला, जो संभल जनपद के स्थापना दिवस पर आधारित था। कलक्ट्रेट के निकट बड़े मैदान में आयोजित इस आयोजन में हर शाम अलग-अलग थीम पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। पहले दिनों में मोनाली ठाकुर और जस्सी गिल जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को सराबोर कर दिया था। वहीं,कार्यक्रम के अंतिम दिन बी प्राक ने अपने लोकप्रिय गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दीया महोत्सव के आयोजकों के अनुसार, बी प्राक की प्रस्तुति महोत्सव का मुख्य आकर्षण थी, जिसका दर्शकों को कई दिन पहले से ही बेसब्री से इंतजार था। शाम से शुरू हुई सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकारों ने भी पारंपरिक लोक नृत्यों और संगीत के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि यह महोत्सव न केवल सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि जनपद के विकास को दशार्ने वाला मंच भी है। इसमें रोजगार, शिक्षा, मत्स्य पालन और पर्यावरण जैसे विषयों पर सम्मेलन भी आयोजित किए गए। दर्शकों में उत्साह का आलम देखने को मिला था। एक युवा दर्शक ने कहा, "बी प्राक के गीत सुनकर बचपन की यादें ताजा हो गईं। यह महोत्सव संभल की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊंचाई दे रहा है।" वहीं, महिलाओं और बच्चों ने विशेष रूप से पारंपरिक परिधानों में भाग लिया, जो महोत्सव की रौनक बढ़ा रहा था। हालांकि, महोत्सव के दौरान एक संविदा कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत की घटना ने आयोजकों को झकझोर दिया था, लेकिन प्रशासन ने तुरंत चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत किया। जिला प्रशासन की ओर से साफ-सफाई, यातायात, पेयजल और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। एसपी ने बताया कि भरी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया था, जिससे कोई अप्रिय घटना न हो। संभलवासियों ने इस सांस्कृतिक आयोजन के लिए जिला प्रशासन का आभार जताया।

पुलिस ने लूट की वारदात का किया खुलासा, तीन फरार लुटेरों को माल सहित किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। अपराधों की रोकथाम के साथ ही अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत लूट की वारदात में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 195/2025 धारा 309(4)/317(2) बीएनएस के तीन लुटेरों को बिवांर-मौदहा मार्ग पर निमार्णाधीन पुलिया के पास से मुखबिर की सूचना पर लूटा गया एनड्राईड मोटो मोबाइल सहित 530 रुपये, सहित 315 बोर का अवैध असलहे के साथ ही अवैध कारतूस के साथ गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। गौरतलब है कि बिवांर क्षेत्र के तहत 9 अक्टूबर 2025 की रात में हुई लूट की वारदात के बाद पीड़ित हर्षित तिवारी पुत्र पुष्पेन्द्र कुमार तिवारी की तहरीर पर पुलिस ने मु0अ0सं0 195/2025 धारा 309(4)/317(2) बीएनएस बनाम अज्ञात लुटेरों के खिलाफ दर्ज किया गया था। पुलिस ने लुटेरों के पास से मोबाइल के साथ ही लूटी गई नगदी बरामद की है। गिरफ्तार किये गये लुटेरों में जलालपुर के बरहैरा निवासी 20 वर्षीय अजयपाल पुत्र वीर, जबकि बिलगांव निवासी 20ष वर्षीय सनी पुत्र छत्रपाल अहिरवार सहित बिलगांव निवासी 19 वर्षीय दीपक उर्फ कुलदीप पुत्र लालदीवान शामिल रहे। लूटेरों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से नन्दराम प्रजापति प्रभारी निरीक्षक, एस आई अंकित कुमार , कांस्टेबल राजेश कुमार यादव, कांस्टेबल हरिनन्दन सिंह सहित छोटेलाल शामिल रहे।

लडकी के दोस्त ने चैटिंग के दौरान कपड़े उतरवाए, विडियो बनाकर पिता को दिखाया, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल/झज्जरः हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में 18 वर्षीय छात्रा के साथ उसके ही दोस्त द्वारा मोबाइल पर अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। घटना लगभग 4 साल पहले की है, जब दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे और गहरे दोस्त थे। हाल ही में वीडियो वायरल होने के बाद छात्रा के पिता को इसकी जानकारी हुई। आपको बता दें कि ये परिवार मध्यप्रदेश का रहने वाला है, फिलहाल बहादुरगढ़ कि एक कॉलोनी में रह रहा है।

आरोपी पर मामला दर्ज, जांच जारी

छात्रा की शिकायत पर सेक्टर छह थाना पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस उसे जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। छात्रा वर्तमान में बहादुरगढ़ के एक कॉलेज में बीए फर्स्ट ईयर की छात्रा है। परिवार मूल रूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला है, लेकिन कई सालों से बहादुरगढ़ की एक कालोनी में रह रहा है। घटना के समय छात्रा और आरोपी युवक स्कूल में पढ़ते थे।

अश्लील वीडियो की वजह

छात्रा ने पुलिस को बताया कि उनकी दोस्ती के दौरान आरोपी ने मोबाइल चैटिंग के दौरान उसके कपड़े उतारकर वीडियो बनाया, जो अब वायरल हो गया। 2 अक्टूबर को एक लड़के ने यह वीडियो छात्रा के पिता को दिखाया, जिससे घटना का पता चला। पुलिस कार्रवाई छात्रा के पिता ने वीडियो डाउनलोड कर शिकायत दर्ज करवाई। सेक्टर छह थाना प्रभारी दीपक महलावत ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने कहा है कि आरोपी को जल्द पकड़ने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

बीए के छात्र ने दी जान मेरे पिता मेरी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार

अंबालाः शाहाबाद के हुड्डा पार्ट-2 निवासी तुषार ने सोमवार सुबह सवा १ बजे मोहड़ा रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी के अगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। जीआरपी ने क्षत विक्षत हालत में ट्रैक पर पड़े शव का केंट के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक के माता-पिता सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। बहन न्यूजीलैंड में पढ़ाई कर रही है। तुषार इकलौता बेटा था। जीआरपी को दिए सपान में मृतक की मां रेखा ने कहा कि बेटा कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। सुसाइड नोट में तुषार ने लिखा, तीसरी कक्षा में पढ़ता था तब से घर में घरेलू हिंसा देखता आ रहा हूं। सच कहूं तो मैं इससे तंग आ चुका हूं। जीआरपी के सब इंस्पेक्टर राजकुमार ने बताया कि मां, मामा व अन्य रिश्तेदारों के बयान पर इत्तिफाकन मौत की कार्रवाई अमाल में लाई गई है। मां रेखा ने बताया कि बेटा कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया है। मालगाड़ी के आगे कूदकर छात्र ने आत्महत्या की है। एक पेज का सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में लिखा, तीसरी कक्षा से घरेलू हिंसा देखते आ रहा हूं... मैं इससे तंग आ चुका है। भी सोचा नहीं था कि ऐसा कुछ लिखूंगा... यह कहानी तब शुरू हुई भी जब में तीसरी कक्षा में पढ़ता था। मैं तब से घर में बरेलू हिंसा देखता आ रहा हूं। सच कहूं तो में इससे तंग आ चुका हूं। मेरी मानसिक स्थिति भी कुछ ठीक नहीं रहती और में पहले भी कोशिश करता था कि कैसे सुसाइड करू कि हादसा लगे लेकिन अब मुझे लगता है कि आत्महाला करने में कोई शर्म नहीं है और मेरे गैरजिम्मेदार पिता मेरी आत्महत्या के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। एड सौरी मम्मा, मैं आपका अच्छा बेटा नहीं बन पाया। मैने जो मांगा आपने मुझे दिया और अब एक आखिरी चोज मांग रहा हूं। मेरे जाने के बाद पापा को तलाक देकर बहन के साथ न्यूजीलैंड चले जाना। पापा को शुरू से मेरे से ही दिक्कत थी आपसे नहीं। मेरा सपना आईआईएसस्सी बंगलुरू से रिसर्च करने का था लेकिन कोई बात नहीं, अगले जन्म में साइंटिस्ट बन जाउंगा। मुझे कभी अपना जन्मदिन पसंद नही था तो सोचा कि 2 नवंबर को सुसाइड करूंगा। पर कल जो भी हुआ, में अब और सहन नहीं कर सकछ। -गुड बॉय मम्मा, तुषार

जन्म प्रमाण पत्र में नाम दर्ज कराने की समय-सीमा बढ़ी, अब 15 साल तक कर सकेंगे आवेदन

हरियाणाः हरियाणा सरकार ने नागरिकों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र में नाम जोड़ने की समय-सीमा को 15 साल तक बढ़ा दिया गया है। नगर निगम की पहल पर स्वास्थ्य विभाग के मुख्य रजिस्ट्रार ने इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को पत्र जारी कर दिया है। पहले यह अवधि काफी सीमित थी, जिससे कई परिवारों को बच्चे का नाम प्रमाण पत्र में दर्ज न हो पाने की वजह से समस्याओं का सामना करना पड़ता था। नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया क्या है? बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदनकर्ता को संबंधित नगर निगम के रजिस्ट्रार कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन जमा करना होगा। आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करने होंगेः बच्चे का बिना नाम वाला जन्म प्रमाण पत्र पहचान संबंधी दस्तावेज (जैसे आधार कार्ड) माता-पिता की पहचान की प्रतिलिपि नाम जोड़ने का अनुरोध पत्र इसके अलावा, 75 रुपये की सरकारी फीस भी जमा करनी होगी। आवेदन जमा करने के बाद लगभग एक महीने के भीतर नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। यह समय सीमा आवेदन की जांच और प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के उद्देश्य से निर्धारित की गई है।यह सुधार क्यों है महत्वपूर्ण? पूर्व में निर्धारित समय सीमा बहुत कम होने के कारण कई बच्चों के नाम जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज नहीं हो पाते थे, जिससेः स्कूल में दाखिले सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने पहचान पत्र (जैसे आधार, पैन कार्ड) बनवाने जैसी आवश्यक प्रक्रियाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब 15 वर्षों तक नाम दर्ज कराने की अनुमति से ये समस्याएं काफी हद तक समाप्त हो जाएंगी और नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज समय पर बनवाने में आसानी होगी। भविष्य में और भी सुधार की संभावना यह निर्णय डिजिटल इंडिया और प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग आने वाले समय में अन्य प्रक्रियाओं को भी सरल और डिजिटल बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इससे जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य पहचान-पत्र बनवाने की प्रक्रिया और भी सहज, पारदर्शी व तेज हो सकेगी। हरियाणा सरकार का यह फैसला आम नागरिकों के हित में है, जिससे विशेषकर उन परिवारों को राहत मिलेगी जो किसी कारणवश समय रहते नाम दर्ज नहीं करा पाए थे।

गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट कार्तिक पूर्णिमा मेला स्थल पर किया गया भूमि पूजन एवं गंगा आरती

हापुड़ (सब का सपना):- विधायक गढ़मुक्तेश्वर हरेंद्र तेवतिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, भाजपा अध्यक्ष नरेश तोमर , जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, एवं अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत शिशुपाल सिंह, के द्वारा गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट पर आयोजित होने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेला स्थल पर पहुंच कर गंगा मेले के सफल आयोजन हेतु भूमि पूजन व गंगा आरती की गई। इसके उपरांत गढ़ गंगा घाट पर उपस्थित सभी अधिकारियों के साथ कार्तिक पूर्णिमा मेले 2025 को सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण के साथ संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा विचार विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने मेले से

संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि गढ़ मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को मेले के दौरान किसी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए इसके लिए समय से ही सभी व्यवस्था पूर्ण कर ली जाए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से उनकी कार्य प्रणाली को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं ठेकेदारों को विशेष निर्देश दिए कि इस बार मेले में स्वच्छता को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने यातायात निरीक्षक को निर्देश दिए कि मेले के सभी रूटों का समय से ही भ्रमण कर लिया जाए जिससे आपात स्थिति होने पर समय से ही उस पर नियंत्रण कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारी एवं मजिस्ट्रेट, को आपस में समन्वय बनाकर इस बार भैंसा दौड़ करने वालों पर विशेष नजर रखते हुए उसे प्रतिबंध कराना सुनिश्चित करे इसके उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक, ने समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारियों, को निर्देश दिए की कार्तिक पूर्णिमा मेले के आगमन से पूर्व सभी अधिकारी मेले का भ्रमण कर मेले की जानकारी प्राप्त कर ले, जहां पर भी किसी प्रकार की कोई समस्या आ रही है तो उसको समय रहते ही पूर्ण कर लिया जाए जिससे मेले के दौरान अव्यवस्था ना होने पाए। उन्होंने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान किसी प्रकार की समस्या ना हो इसके लिए घाटों के किनारे समय से ही बैरिकेडिंग करना सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। मेले में इस बार वॉच टावर की ऊंचाई अधिक रखने तथा प्रकाश व्यवस्था बेहतर करने के भी निर्देश दिए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह मेला पौराणिक तथा धार्मिक है। इसे धैर्य पूर्ण एवं श्रद्धा भावनाओं के साथ सकुशल संपन्न करने में सहयोग करें ' मेले में किसी भी प्रकार की कोई समस्या होने पर समय से ही अपने उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाए। भूमि पूजन के दौरान उप जिलाधिकारी गढ़मुक्तेश्वर , मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील त्यागी, पुलिस क्षेत्र अधिकारी गढ़मुक्तेश्वर, जिला सूचना अधिकारी वाई.पी. सिंह तथा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत शिशुपाल सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता सहित मेले से संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेनी थिंक टैंक का बड़ा आरोप- रूस के लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर रहा भारत

कीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया था। ट्रंप ने भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अब यूक्रेन के एक थिंक टैंक ने भारत पर एक और बड़ा आरोप लगाया है। यूक्रेनी थिंक टैंक ने दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडीटिव्स का सबसे बड़ा निर्यातक देश है और रूसी लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर करने में मदद कर रहा है। यूक्रेनी थिंक टैंक इकॉनोमिक सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ यूक्रेन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडिटिव्स (ईंधन योजक) का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। साल 2024 में रूस के कुल आयातित फ्यूल एडिटिव्स में से करीब आधा भारतीय कंपनियों द्वारा निर्यात किया गया। फ्यूल एडिटिव्स एक तरल रसायनिक तत्व होता है, जो वाणिज्यिक और सैन्य विमानों के इंजन के प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए ईंधन के साथ मिलाया जाता है। यूक्रेनी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा है कि रूस के एसयू-34 और एसयू-35एस लड़ाकू विमानों में फ्यूल एडिटिव्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन्हीं विमानों से रूस ने यूक्रेन पर क्रूज सुपरसोनिक और गाइडेड मिसाइलों से हमले किए।

मैक्सिको भारी बारिश से बाढ़ व भूस्खलन में 41 लोगों की मौत; 32 हजार से ज्यादा मकान ध्वस्त, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

पोजा रिका, एजेंसी। मैक्सिको में लगातार बारिश से आई बाढ़ व भूस्खलन के कारण कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। वेराक्रूज प्रांत में छह से नौ अक्तूबर तक लगभग 540 मिलीमीटर (21 इंच से अधिक) बारिश हुई। बारिश के कारण 32 हजार से अधिक मकान ध्वस्त हो चुके हैं, जबकि बिजली गुल होने से देश भर में 3.20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने इस भीषण बारिश के लिए मैक्सिको के पश्चिमी तट पर आए उष्णकटिबंधीय तूफानों प्रिसिला व रेमंड को जिम्मेदार ठहराया है। मैक्सिको सिटी से 275 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित तेल नगरी पोजा रिका में बाढ़ से पहले कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समन्वय ने बताया कि मेक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित हिडाल्गो प्रांत में शनिवार तक भारी बारिश से 16 लोगों की मौत हो गई और 150 समुदायों को बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ा। मैक्सिको सिटी के पूर्व में स्थित पुएब्ला प्रांत में कम से कम नौ लोग मारे गए व 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। वेराक्रूज में 15 लोगों की मौत हुई है। वहां थल सेना व नौसेना भूस्खलन तथा बाढ़ के कारण अलग-थलग पड़े 42 समुदायों के निवासियों को बचाने में मदद कर रही हैं। बचावकर्मी क्षेत्र में 27 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। खाड़ी तट पर स्थित वेराक्रूज राज्य की 55 नगरपालिकाओं में 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले, मध्य क्वेरेटारो राज्य में भूस्खलन के कारण एक बच्चे की मौत हो गई थी। पोजा रिका के निचले इलाकों की गलियों में शुक्रवार सुबह 12 फीट तक पानी भर गया। कैजोंस नदी से तेज गति के साथ बहकर आ रहे पानी में कारें तैरती हुईं आपस में टकराने लगीं। शनिवार सुबह जब पानी उतरा तो चारों तरफ तबाही दिखाई दे रही थी। पेड़ पर कारें लटकी दिखाई दे रही थीं और ट्रक के केबिन में बंद घोड़ा मर चुका था।

टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद जबर्दस्त आग, ट्रक पर गिरा विमान; कैसे हुआ हादसा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद आग लग गई। यह घटना टेरंट कंट्री में हिक्स एयरफील्ड के पास हुई। अधिकारियों के मुताबिक क्रैश होने के बाद प्लेन ट्रकों पर गिर पड़ा। इसके बाद वहां पर आग लग गई। फोर्ट वर्थ फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक प्लेन क्रैश की घटना दोपहर को करीब डेढ़ बजे हुई। हालांकि घटना से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी क्रू मौके पर पहुंच गई। हालांकि अधिकारियों ने हादसे में किसी के घायल होने या फिर मौत की पुष्टि नहीं की है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड को घटना की जानकारी दे दी गई है। उम्मीद है कि यह दोनों एजेंसियां जल्द ही मामले की जांच शुरू कर देंगी। जिस जगह पर यह हादसा हुआ है, वह फोर्ट वर्थ अलायंस एयरपोर्ट और फोर्ट वर्थ मीचम एयरपोर्ट के बीच हुआ है। यह डलास-फोर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास है। स्थानीय मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल आधिकारिक तौर पर यह जानकारी नहीं मिली है कि हादसे के शिकार विमान ने कहां से उड़ान भरी थी और कहां जाने वाला था।

हमास ने रिहा किए सात इस्राइली बंधक; ट्रंप को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार देगा इस्राइल

येरुशलम, एजेंसी। दो साल तक जंग लड़ने के बाद इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया है और इस कड़ी में बंधकों की रिहाई और कैदियों की अदला-बदली के लिए भी तैयारियां पूरी हो गई हैं। वहीं इस माहौल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज इस्राइल पहुंचेंगे।

इस्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कहा कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को गाजा से बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और युद्ध को समाप्त करने में उनकी भूमिका के लिए देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस्राइल-हमास के बीच लागू हुए संघर्ष विराम के तहत हमास ने सात इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया है। इसकी पुष्टि इस्राइल की तरफ से की गई है, इस्राइल ने कहा है कि गाजा युद्ध विराम के तहत हमास ने पहले सात बंधकों को रेड क्रॉस को सौंप दिया है। हमास ने कहा है कि इस्राइल की तरफ बंदी बनाए गए 1900 से ज्यादा फलस्तीनी कैदियों के बदले 20 जीवित बंधकों को रिहा किया जाएगा। इस्राइली बंधकों की रिहाई की तैयारी के लिए रेड क्रॉस के वाहनों ने मध्य गाजा में अपनी आवाजाही शुरू कर दी है। वहीं हमास ने 20 इस्राइली बंधकों की सूची जारी की है, जिन्हें आज रिहा किया जाना है और हमास के सूत्रों ने एक न्यूज चैनल को बताया कि यह सूची सुबह 8 बजे के बाद सौंपी जाएगी। द टाइम्स ऑफ

इस्राइल ने बताया कि इस सूची में वही 20 बंधक शामिल हैं जिनके नाम पहले ही बातचीत के दौरान इस्राइल को दिए जा चुके थे, और जिन्हें जीवित बंधकों से संबंधित समझौते के तहत रिहा करने की पुष्टि की गई थी। इस सूची में अपहृत सैनिक तामिर निमरोदी या नेपाली नागरिक बिपिन जोशी के नाम शामिल नहीं हैं। इस बीच, इस्राइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा, आपदा, एम्बुलेंस और रक्त बैंक सेवा के मैगन डेविड एडोम ने कहा कि वह लौटने वाले बंधकों की चिकित्सा सहायता के लिए आईडीएफ चिकित्सा बलों और स्वास्थ्य मंत्रालय की सहायता के लिए तैयार है। दो साल पहले हमास नरसंहार के दौरान अपहृत लोगों की रिहाई देखने के लिए तेल अवीव के बंधक चौक पर भारी भीड़ जमा होने के साथ ही स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे रिहाई शुरू होने की योजना है। गाजा शांति शिखर सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री केवी सिंह ने करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंच गए हैं। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने लिखा, शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में ऐतिहासिक शहर काहिरा पहुंचे। यह एक बेहद खास समय होने वाला है- डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को इस्राइल रवाना हुए, उन्होंने इस यात्रा को बेहद खास समय बताया और हमास के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते का जश्न मनाया। अपने विमान में सवार होने से पहले, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, यह एक बेहद खास समय होने वाला है। हर कोई एक साथ जयकार कर रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इसमें शामिल होना सम्मान की बात है और हम एक शानदार समय बिताने वाले हैं। इराक युद्ध में उनकी भूमिका के लिए ब्लेयर की लगातार आलोचनाओं के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर गाजा के शासन की देखरेख के लिए बनाए गए नए शांति बोर्ड में शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा, मुझे हमेशा से टोनी पसंद रहे हैं, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या वह सभी के लिए स्वीकार्य विकल्प हैं। उन्होंने उन नेताओं का नाम नहीं लिया जो ब्लेयर के चयन पर अपनी राय दे सकते थे। कुछ बंधकों में दो सैनिक और चार विदेशी भी शामिल इन बंधकों में दो इस्राइली सैनिक मटन एंग्रेस्ट और निमरोड कोहेन भी शामिल हैं। दोनों को 7 अक्तूबर के युद्ध में अगवा किया गया था। इसके अलावा चार विदेशी भी बंधकों में हैं, तीन की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक नेपाली छात्र का हाल अब भी अज्ञात है। यह स्थिति रिहाई अभियान को और जटिल बनाती है। ईरान ने गाजा शिखर सम्मेलन का न्योता ठुकराया ईरानी सरकार ने मिस्र में होने वाले गाजा शिखर सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार तड़के पोस्ट किया, हम उन लोगों के साथ मंच साझा नहीं कर सकते जिन्होंने ईरानी जनता पर हमले और प्रतिबंध किए हैं।

जिनपिंग को लेकर ट्रंप का फिर बदल गया सुर, चीन-अमेरिका रिश्तों में यू-टर्न?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के रिश्तों में लगातार बदलाव हो रहा है। कल तक जिनपिंग को लेकर गुस्से में नजर आ रहे ट्रंप का सुर अचानक बदल गया है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने चीन के राष्ट्रपति को बेहद सम्माननीय बताया है। साथ ही ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिकी चीन के साथ सहयोग का भाव लेकर चलना चाहता है। हमें आपस में कोई संघर्ष नहीं चाहिए। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच हाल में थोड़ा तनाव बढ़ा है। यह मामला रेयर अर्थ के निर्यात और अमेरिका द्वारा टैरिफ रेट बढ़ाने की बात के बाद आया है।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा है, 'चीन के बारे में चिंता मत कीजिए। सबकुछ ठीक होगा।' उन्होंने आगे लिखा कि बेहद सम्माननीय राष्ट्रपति शी जिनपिंग का एक खराब पल था। वह अपने देश पर किसी तरह का दबाव नहीं चाहते और मैं भी ऐसा नहीं चाहता। ट्रंप के मुताबिक अमेरिका चीन की मदद करना चाहता है, उसे दुखी नहीं करना चाहता।

ट्रंप के लहजे में नाटकीय बदलाव : ट्रंप के लहजे में आया यह बदलाव बेहद नाटकीय है। हाल ही में उन्होंने दुर्लभ-अर्थ मटीरियल और संबंधित टेक्नोलॉजी के निर्यात पर व्यापक प्रतिबंध लगाने के चीन के फैसले की निंदा की थी। उस समय, ट्रंप ने बीजिंग पर वैश्विक बाजारों को अस्थिर करने का आरोप लगाया। इसके पीछे की भावना को अशुभ और शत्रुतापूर्ण बताया। साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यह दुनिया को बंधक बनाने का प्रयास था। वहीं, अमेरिका के टैरिफ संबंधी धमकियों पर चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया। मंत्रालय ने कहा कि हम टैरिफ वॉर नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं हैं। साथ ही यह भी कहा कि अगर अमेरिका चीनी सामानों पर अपने प्रस्तावित 100% आयात शुल्क के साथ आगे बढ़ता है, जो 1 नवंबर से लागू होने वाला है, तो बीजिंग भी कठोर उपाय अपनाएगा।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव का केंद्र रेयर अर्थ मटीरियल के निर्यात को सीमित करने का चीन का कदम है। यह ऐसे महत्वपूर्ण पदार्थ हैं जिनका उपयोग स्मार्टफोन से लेकर सैन्य प्रणालियों तक, एडवांस टेक्नोलॉजी में किया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी सैन्य उपयोग की संभावना का हवाला देते हुए, चीनी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि नए नियम पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं हैं। वैध नागरिक उपयोगों के लिए एक्सपोर्ट लाइसेंस अभी भी दिए जाएंगे।

कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया के शासन का 43वां साल; 99 वर्ष की आयु तक रह सकते हैं पद पर

याओंडे, एजेंसी। दुनिया के सबसे उम्रदराज नेता और कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया (92) अपने 43 साल के शासन को और आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। रविवार को होने वाले एकल चरण के चुनाव में बिया के फिर से जीतने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। यदि वे जीतते हैं, तो उनका कार्यकाल 99 वर्ष की उम्र तक चलेगा। बिया ने 1982 में सत्ता संभाली थी, जब उनके पूर्ववर्ती और कैमरून के पहले राष्ट्रपति अहमदू अहिजो ने इस्तीफा दिया। इसके बाद से वह देश पर शासन कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि 1960 में स्वतंत्रता मिलने के बाद से कैमरून में केवल दो ही नेता सत्ता में आए हैं। बिया 1975 से 1982 तक कैमरून के पांचवें प्रधानमंत्री भी रहे। इस चुनाव में बिया के सामने 11 प्रतिद्वंदी हैं, जिनमें उनके सबसे मजबूत प्रतिद्वंदी पूर्व सरकारी प्रवक्ता इस्सा टीचिरोमा बाकरी (79) भी शामिल हैं। बिया, जो आमतौर पर कम प्रोफाइल रखते हैं, ने मंगलवार को मारौआ में अपने चुनावी अभियान में कहा कि मैं उन समस्याओं से भली-भांति परिचित हूं, जो आप सभी को चिंतित करती हैं। अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि ये समस्याएं असंभव नहीं हैं। हालांकि, इस साल उनके सेवानिवृत्त होने की आवाजें तेज हुई हैं। कैथोलिक आर्चबिशप सैमुअल क्लेडा ने कहा कि यह वास्तविक नहीं है कि बिया अब भी देश का नेतृत्व करें। उनके दो पुराने सहयोगी, इस्सा टीचिरोमा और बेलो बोबा मैगारी, विपक्ष में चले गए और खुले तौर पर बिया की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाया। यहां तक कि उनकी बेटी ब्रेंडा बिया (27) ने भी पिता से पद छोड़ने की अपील की। उन्होंने एक वायरल टिकटॉक वीडियो में कहा मेरे पिता ने कई लोगों को दुख दिया है और नागरिकों से उनसे वोट न करने का आग्रह किया। बाद में उन्होंने यह बयान वापस लिया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कैमरून की कम से कम 43 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करती है और 30 मिलियन की आबादी में से लगभग एक तिहाई लोग प्रतिदिन 2 से कम में जीवन यापन करते हैं। इस बार चुनाव में लगभग 8 मिलियन लोग, जिनमें 34,000 से अधिक प्रवासी नागरिक भी शामिल हैं, मतदान के लिए योग्य हैं।

दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी, तटरक्षक बल ने फिलीपींस के सरकारी जहाज को निशाना बनाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन और फिलीपींस के बीच दक्षिण चीन सागर में टकराव का एक और गंभीर मामला सामने आया है। बताया गया है कि चीनी तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के जहाजों ने फिलीपींस के एक सरकारी पोत पर पानी की तेज बौछार से हमला किया और इसके बाद में उसे टक्कर मार दी। इस घटना में जहाज को हल्का नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी भी चालक दल के सदस्य को चोट नहीं आई।

फिलीपींस तटरक्षक बल के अनुसार, यह घटना दक्षिण चीन सागर के विवादित इलाके में स्थित थीटू द्वीप के पास हुई। यह द्वीप फिलीपींस के कब्जे में है और वहां फिलीपींस के नागरिकों और मछुआरों की बस्ती भी है। घटना के समय फिलीपींस का सरकारी जहाज बीआरपी दातु पगबुआया वहां दो अन्य मछली पालन विभाग

के जहाजों के साथ लंगर डाले हुए था। तीनों जहाज मछुआरों को सहयोग देने के लिए उस इलाके में मौजूद थे।

तटरक्षक बल के प्रवक्ता कमोडोर जे टारिएला ने बताया कि अचानक चीनी तटरक्षक जहाज और कुछ संदिग्ध सैन्य नौकाएं तेजी से वहां पहुंचीं और खतरनाक ढंग से उसके जहाजों के बहुत करीब आ गईं। इसके बाद एक चीनी जहाज, जिसका नंबर 21559 था, ने दातु पगबुआया पर सीधा पानी की तेज बौछारें दागीं। कुछ ही मिनटों बाद उसी जहाज ने फिलीपींस के पोत के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी, जिससे उसे हल्का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि किसी भी चालक दल को चोट नहीं आई और जहाज बाद में सुरक्षित स्थान पर चला गया।

फिलीपींस ने घटना का वीडियो जारी किया : फिलीपींस तटरक्षक बल द्वारा जारी एक वीडियो में चीनी जहाज को पानी की तेज धार से हमला करते और फिलीपींस के झंडे को निशाना बनाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में फिलीपींस का जहाज हमले से बचने के लिए दिशा बदलता भी दिखाई देता है। फिलीपींस तटरक्षक बल के प्रमुख एडमिरल रॉनी गिल गवान ने कहा कि ऐसी घटनाएं उनके मनोबल को कमजोर नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, फिलीपीनी मछुआरों की आजीविका इन जलक्षेत्रों पर निर्भर है। चाहे पानी की तोप चले या जहाजों से टक्कर मारी जाए, हम अपने क्षेत्र की एक इंच जमीन भी किसी विदेशी ताकत को नहीं सौंपेंगे।

चीन बोला- फिलीपींस ने की हमारे जलक्षेत्र में घुसपैठ : उधर, बीजिंग में चीनी तटरक्षक बल के प्रवक्ता लियू देजुन ने बयान जारी कर कहा कि फिलीपींस के जहाजों ने बिना अनुमति चीन के टियेशियान रीफ (जिसे चीन सैंडी के कहता है) के पास उसके जलक्षेत्र में घुसपैठ की। उन्होंने कहा, फिलीपींस के जहाज ने चीनी जहाज के बहुत नजदीक आने की कोशिश की, जिससे मामूली टक्कर हुई। लियू ने पूरे मामले की जिम्मेदारी फिलीपींस पर डालते हुए कहा कि इस तरह की हरकतें क्षेत्र की शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाती हैं।

रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर किया हमला; अमेरिका से टॉमहॉक मिसाइल मिलने की आशंका पर चिंता बढ़ी

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर ताबड़तोड़ हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को दावा किया कि उसके देश के सैनिकों ने यूक्रेन के ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया। ये ऊर्जा सुविधाएं यूक्रेन के सैनिकों के ठिकानें भी हैं। रूस ने 24 घंटे के दौरान यूक्रेन की तरफ से दागे गए 72 ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया। उधर, कीव क्षेत्र के गवर्नर माइकोला कलाशनिक ने कहा कि रूसी हमलों में यूक्रेन की ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी के दो कर्मचारी घायल हुए हैं। इस बीच, अमेरिका द्वारा यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइल देने की संभावना से मॉस्को में चिंता बढ़ गई है। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर माईकोला कालाशनिक ने बताया कि देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी छ्ज्ञश्वय के दो कर्मचारी रूसी हमले में घायल हुए। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, डोनेत्स्क, ओडेसा और चेर्निहिव क्षेत्रों में भी बिजली ढांचे को निशाना बनाया गया है। राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि रूस हमारे शहरों और समुदायों पर हवाई आतंक जारी रखे हुए है। पिछले हफ्ते में रूस ने 3,100 ड्रोन, 92 मिसाइलें और करीब 1,360 ग्लाइड बम दागे हैं। क्रेमलिन ने रविवार को कहा कि अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दिए जाने की संभावना को लेकर रूस बेहद चिंतित है। उसने चेतावनी दी कि युद्ध एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया है और हर तरफ से तनाव बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों कहा था कि टॉमहॉक मिसाइलें देने पर सहमति जताने से पहले वह जानना चाहेंगे कि यूक्रेन इनके साथ क्या करने की योजना बना रहा है। वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को और बढ़ाना नहीं चाहते। हालांकि, इस मुद्दे पर एक तरह से फैसला कर लिया गया है।

टॉमहॉक मिसाइलों की मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है। इसका अर्थ है कि यूक्रेन इन मिसाइलों के जरिये रूस की राजधानी मॉस्को को भी निशाना बना सकता है। मॉस्को ने महीने की शुरुआत में आरोप लगाया था कि वाशिंगटन और उसका नाटो गठबंधन यूक्रेन युद्ध में कीव को नियमित रूप से खुफिया जानकारी दे रहे हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने उस समय संवाददाताओं से कहा था, यूक्रेनियों को खुफिया जानकारी देने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और अमेरिका के संपूर्ण बुनियादी ढांचे का उपयोग स्पष्ट है।अमेरिकी खुफिया जानकारी ने कीव को तेल रिफाइनरियों सहित महत्वपूर्ण रूसी ऊर्जा सुविधाओं पर अग्रिम पंक्ति से कहीं आगे तक हमला करने में मदद की। इस मुद्दे पर व्हाइट हाउस व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ये 8वीं जंग जो मैंने रुकवाई, ट्रंप ने फिर लिया भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का क्रेडिट

वाशिंगटन, एजेंसी। गाजा के मुद्दे पर मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में आज होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया के 20 शीर्ष नेता शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए मिस्र की ओर से निमंत्रण भेजा गया था, हालांकि वे इसमें शामिल नहीं होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति इस बाबत अमेरिका से एयरफोर्स वन विमान से रवाना हो चुके हैं। वे पहले इस्राइल जाएंगे। इसके बाद वहीं से मिस्र रवाना हो जाएंगे। उनकी ओर से इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से पहली यात्रा है। इस्राइल रवाना होने से पहले उन्होंने इस दौरे को बेहद खास बताया। ट्रंप ने कहा कि यह एक बहुत खास समय होने जा रहा है... हर कोई इस पल को लेकर बेहद उत्साहित है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आमतौर पर अगर एक पक्ष खुश होता है, तो दूसरा नाराज होता है। लेकिन इस बार सब एक साथ प्रसन्न हैं।

गौरतलब है कि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस शांति शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के साथ-साथ पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के प्रथम चरण के प्रभावी होने के कुछ दिनों बाद होने जा रहा है। ट्रंप के अलावा सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी,

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल होंगे। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व दौरे पर रवाना होने से पहले एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह दौरा क्षेत्र के देशों को एकजुट कर स्थायी शांति की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको खुश करने जा रहे हैं। हर कोई खुश है...चाहे यहूदी हो, मुस्लिम या अरब देश। हम इस्राइल के बाद मिस्र जा रहे हैं, और वहां मेरी बहुत ताकतवर, बड़े और अमीर देशों के नेताओं से मुलाकात होगी। और सभी इस समझौते के साथ हैं। इस दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस्राइल और हमास के बीच का युद्ध अब समाप्त हो चुका है। इस पर ट्रंप ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि हां युद्ध खत्म हो गया है और मुझे पूरा भरोसा है कि युद्धविराम कायम भी रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यह टिकेगा। बहुत सारे कारण हैं। लोग अब थक चुके हैंज यह सदियों से चल रहा है, अब लोग इसे खत्म देखना चाहते हैं। आगे पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रंप ने फिर से खुद को युद्ध शांत कराने वाला करार दिया।

गाजा में हमास और डोगमूश कबीले के लड़ाकों में झड़प

गाजा सिटी, एजेंसी। गाजा सिटी में रविवार को हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प में 64 लोग मारे गए हैं। इनमें 52 डोगमूश और 12 हमास लड़ाके शामिल हैं। हमास के टेलीविजन चैनल के मुताबिक हमास के सीनियर अधिकारी बासेम नैम का बेटा भी झड़प में मारा गया।

झड़प में एक फिलिस्तीनी पत्रकार की भी गोली लगने से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हिंसा उस समय भड़की जब हमास के लड़ाकों ने सब्रा इलाके में कबीले के ठिकानों पर हमला किया। डोगमूश कबीले ने आरोप लगाया कि हमास ने सीजफायर का फायदा उठाकर उन्हें निशाना बनाया। हमास ने चेतावनी दी है कि जो मिलिशिया मेंबर और अपराधी खूनखराबे में शामिल नहीं हैं, वे अगले रविवार तक आत्मसमर्पण कर सकते हैं, अन्यथा उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

हमास ने 2024 में डोगमूश लीडर की हत्या की थी डोगमूश नाम की उत्पत्ति तुर्किश मूल की बताई जाती है। इसका मतलब होता है- तुर्किये में जन्मा हुआ। कहा जाता है कि डोगमूश कबीला 20वीं सदी की शुरुआत में पलायन कर गाजा पहुंचा था। यह कबीला गाजा सिटी के साब्रा और तेल अल-हवा में बसा हुआ है। डोगमूश गाजा के बड़े घरानों में गिना जाता है। डोगमूश पर अलकायदा के करीबी होने का आरोप लगता है। इस कबीले पर ब्रिटिश पत्रकार एलन जॉनस्टन और इजराइली कैदी गिलाश शालिद के अपहरण में शामिल होने का आरोप है। गाजा में सत्ता हासिल करने को लेकर डोमगूश और हमास के बीच कई बार संघर्ष हो चुका है। 2008 में हमास ने डोगमूश के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें कई लोग मारे गए थे। 2024 में हमास ने सालेह डोगमूश को मार दिया था। हमास ने आरोप लगाया था कि सालेह गाजा पहुंचने वाली राहत सामग्री को कब्जा कर महंगे दामों पर बेच रहा था।

गाजा जंग में 270 से ज्यादा पत्रकारों की मौत : गाजा सिटी में हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प के दौरान एक फिलिस्तीनी पत्रकार सालेह अलजफरावी (28) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अलजफरावी संघर्ष की कवरेज कर रहे थे। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव (प्रेस लिखी जैकेट पहने) एक ट्रक के पीछे पड़ा मिला। हमास के गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में शामिल डोगमूश गुट इजराइल से जुड़ा सशस्त्र संगठन है। सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इस गिरोह ने उन लोगों पर भी हमला किया जो दक्षिण गाजा से लौट रहे थे। अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार गाजा में मारे जा चुके हैं। इजराइल से समझौते के बीच हिंसा हुई हमास और डोगमूश लड़ाकों में हिंसा, इजराइल से पीस समझौते के बीच हुई है। डोगमूश कबीले को अल डोगमूश मिलिशिया के नाम से भी जाना जाता है। इस कबीले के एक सदस्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, बच्चे चिल्ला रहे हैं और मर रहे हैं, हमारे घर जल रहे हैं। हम फंसे हुए हैं। मुझे नहीं पता वे सभी हथियारों के साथ कैसे अंदर आए। यहा बड़ी हत्या हो रही है। कबीले के एक सीनियर सदस्य ने मुसलमानों से मुसलमानों का खून नहीं बहाने की अपील की। दूसरी तरफ हमास आज दोपहर तक 20 इजराइली बंधकों को रेड क्रॉस को सुपुर्द करेगा। बंधकों को छह से आठ वाहनों में रेड क्रॉस की निगरानी में इजराइल की सेना के हवाले किया जाएगा और फिर उन्हें दक्षिण इजराइल ले जाया जाएगा।

भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप किया

-प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव

-प्लेयर ऑफ द सीरीज : रविन्द्र जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सात विकेट से हराने के साथ ही 2-0 से सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांचवे और अंतिम दिन पहले सत्र में ही तीन विकेट पर 121 रनों का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 58 रन बनाने थे जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर बना लिए। भारतीय टीम ने चौथे दिन के एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलते हुए पांचवे दिन सुबह साई सुदर्शन 39 रन और शुभमन 13 के विकेट खो दिये। वहीं के एल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दूसरे टेस्ट की जीत में स्पिनर कुलदीप यादव और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अहम भूमिका रही। कुलदीप ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लिए जबकि यशस्वी ने पहली पारी में 175 रन बनाकर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। भारतीय टीम ने पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त मिली थी। जिसके आधार पर उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। कैरिबियाई टीम ने फॉओऑन खेलते हुए दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल के 115 और शाई होप के 103 रनों की सहायता से 390 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जायसवाल (8) का विकेट शुरुआत में ही गंवा दिया। वहीं इसके बाद राहुल ने नाबाद 58 और साई सुदर्शन 39 ने टीम का स्कोर आगे बढ़ाया और उसे लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी के 175 रनों के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 129 और सुदर्शन ने 87 रनों की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने इस प्रकार वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 वीं टेस्ट सीरीज जीती है। 2002 के बाद से ही कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है।

स्वदेश पहुंचे विराट, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आज भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चार महीने बाद इंग्लैंड से भारत लौटे हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम बुधवार को इस दौरे पर रवाना होगी। विराट आईपीएल 2025 के बाद ही अपने परिवार के साथ लंदन चले गये थे।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के पहले ही टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के बाद ये विराट की पहली सीरीज होगी , इसप्रकार वह सात माह के बाद खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे क्योंकि क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में रोहित शर्मा को कप्तानी से हट दिया था। विराट के अलावा रोहित शर्मा भी इसी सीरीज से वापसी करेंगे। वह भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में विराट और रोहित के प्रदर्शन के बाद ही तय होगा कि वह आगे खेलेंगे या नहीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में शुरु होगी। इसके बाद टीम 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट मैदान में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज़ के बाद, 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी। यह दौरा टीम इंडिया के लिए आगामी वर्ष की तैयारियों में अहम साबित होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहाँ उसे एकदिवसीय सीरीज़ में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

संजू सैमसन की केरल रणजी टीम में वापसी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। संजू सैमसन का नाम केरल की रणजी ट्रॉफी टीम में वापस आ गया है और इसके साथ ही उत्सुकता, उत्साह और शांत जिज्ञासा की लहर आ गई है। केरल 15 अक्टूबर से तिरुवनंतपुरम में अपने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में महाराष्ट्र का सामना करने के लिए तैयार है, ऐसे में विकेटकीपर-बल्लेबाज की लाल गेंद क्रिकेट में वापसी एक तरह से घर वापसी और सामंजस्य दोनों का प्रतीक है।

संजू सैमसन को आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच खेले हुए लगभग एक साल हो गया है, उनका पिछला मैच कर्नाटक के खिलाफ था। पिछले एक साल में, उनका ध्यान मुख्य रूप से सफेद गेंद के प्रारूपों पर केंद्रित रहा है, जिसमें उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का नेतृत्व किया और भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल रहे। अब, जब वह एक बार फिर केरल की सफेद जर्सी पहन रहे हैं, तो सैमसन के पास लाल गेंद क्रिकेट की मांग वाले कौशल और धैर्य को फिर से दिखाने का मौका है। केरल के चयनकर्ताओं ने कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन को सौंप दी है, जबकि बाबा अपराजित को उप-कप्तान बनाया गया है। यह कदम टीम के निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है, जबकि सैमसन इस महीने के अंत में राष्ट्रीय टीम के लिए तैयारी कर रहे हैं।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना की शीर्ष पर बढ़त मजबूत

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में कई शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों ने ताजा आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। विशाखापट्टनम में शानदार 80 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में लौटी भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि कई खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है।

इनमें ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली भी शामिल हैं, जो भारत के खिलाफ रोमांचक मैच में 142 रनों की शानदार पारी खेलकर नौ स्थानों की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। 700 रेटिंग अंकों के साथ, हीली मंधाना, इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट और बेथ मूनी से पीछे हैं और रैंकिंग में और ऊपर पहुंचने की कोशिश करेंगी। वह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट के

साथ चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने भी अपनी हालिया पारियों की बदौलत तीन स्थान की छलांग लगाई है, जिसमें भारत के खिलाफ मैच जिताऊ 70 रन भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट में रन चार्ट में शीर्ष पर चल रही न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की चेज विशेषज्ञ नादिन डी क्लर्क जिन्होंने विशाखापत्तनम में दो बार प्रोटियाज के सफल चेज प्रयासों का नेतृत्व किया है, बल्लेबाजी रैंकिंग में 26 स्थान की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर आ गईं। आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन नंबर 1 स्थान पर बनी हुई हैं, उनके ठीक पीछे गाडर्नर हैं। हालांकि, क्रिकेट विश्व कप के एक आकर्षक सप्ताह के बाद शीर्ष 10 में नए नाम शामिल हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड छह स्थान की छलांग लगाकर 8वें स्थान पर पहुंच गईं। नोनकुलुलेको म्लाबा बाएं हाथ की स्पिनर 8 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही हैं। आईसीसी महिला वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में गाडर्नर शीर्ष पर बनी हुई हैं और शीर्ष 10 में सिर्फ एक बदलाव आया है। दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन तीन स्थान ऊपर चढ़कर और अपना नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस सूची में शामिल हो गई हैं। आईसीसी मीडिया के एक बयान के अनुसार, ट्रायोन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और 18 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के अनुभवों का लाभ एशेज में मिलेगा : मार्श

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 सीरीज उनकी टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगी। साथ ही कहा कि इसके अनुभवों का लाभ उन्हें इसके बाद होने वाली एशेज सीरीज में मिलेगा। भारतीय टीम अपने इस दौरे में तीन एकदिवसीय मैचों के अलावा पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मार्श को इस सीरीज में नियमित कप्तान पैट कमिंस के चोटिल होने के कारण टी20 के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप की भी कप्तानी दी गयी है। मार्श ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी एशेज के लिए तैयारी कर रहे हैं पर सभी को भारत जैसे शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता है पर एक टीम के तौर पर हम उनके लिए बहुत सम्मान रखते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत को ये दौरा सही समय पर हुआ है। इसमें दोनो टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होगा।' इससे उनकी टीम को एशेज से पहले अपनी लय हासिल करने का भी अवसर मिलेगा।

भरत थम्मिनेनी दुनिया की 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता। आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में माउंट मनास्लू, मई 2019 में माउंट ल्होत्से, मार्च 2022 में माउंट अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में माउंट कंचनजंगा, मई 2023 में माउंट मकालू, अक्टूबर 2024 में माउंट शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में माउंट धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां माउंट के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं और वर्तमान में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए वर्जित हैं। थम्मीनेनी 30 सितंबर को चीन के चो ओयू बेस कैंप पहुचे थे लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा जिससे वह बेस कैंप में ही रुके रहे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से हो जाएगा रोहित और विराट के भविष्य का फैसला : शास्त्री

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी महत्वपूर्ण रहेगा। शास्त्री का मानना है कि इस सीरीज़ से ही विराट और रोहित का भविष्य तय होगा। साथ ही कहा कि अगर ये दोनो अपने फार्म और फिटनेस में खरे उतरे तभी 2027 विश्व कप के लिए इनके नाम पर विचार हो सकता है। वहीं असफल रहने पर इनका बाहर होना तय है। शास्त्री ने सिडनी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा वे दोनो ही जानते हैं कि ये सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए यहां आये हैं। उनका आगे बना रहता फिटनेस, भूख और फॉर्म पर निर्भर करेगा। सीरीज़ के अंत तक उन्हें स्वयं पता चल जाएगा कि वह अपने कैरियर में किस जगह पर है। इसके बाद आगे क्या करना है ये उन्हें ही तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उम्र में अनुभव बहुत मायने रखता है पर वही खिलाड़ी खेल सकता है जिसके भीतर भूख बची हुई हो। साथ ही कहा कि 'जब बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता, हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में भी देखा है।' रोहित इस दौरे के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसके अब वह काफी फिट नजर आते हैं जबकि विराट ने लंदन में इसकी तैयारी की। दोनों ही फिटनेस टेस्ट में भी सफल रहे हैं। ऐसे में दोनो को ही 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ये दोनो स्टार बल्लेबाज सात महीने के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। दोनो ने ही टेस्ट और टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है और अब केवल एकदिवसीय खेल रहे हैं।

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद से ही इंग्लैंड की टीम के हौंसले बुलंद हैं और वह सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ये मुकाबला भी जीतने उतरेगी। नेट स्किवर-ब्रंट की कप्तानी में टीम भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने से पहले अपनी लय को बनाये रखना चाहेगी। ब्रंट ने अब तक बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया है। सकती हैं। इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ 89 रन की जीत में कप्तान ने 117 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए थे।

स्किवर-ब्रंट के अलावा एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट और सोफिया डंकले जैसी बल्लेबाजों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम छह अंकों के साथ

तालिका में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच कोलंबो में खेल रही है लेकिन इसके बावजूद वह अब तक नाकाम रही है। वह इंग्लैंड को हरा पायेगी इसकी संभावना नहीं है। इंग्लैंड इस मैच में जीत दर्ज करने पर अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। पाकिस्तान को अब तक अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उसके बल्लेबाज नहीं चल पा रहे हैं। उसकी टीम ने तीन मैच में अभी तक केवल एक बार 150 रन की संख्या को पार किया है।

दोनो ही टीमें टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, मुनीबा अली, नाशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिद्रा नवाज, सैयदा अरूब शाह।

टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात : शुभमन

नई दिल्ली। अपनी कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने कहा है टीम की कप्तानी करना करने के लिए सम्मान की बात है। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के पहले टीम का कप्तान बनाया गया था। इस दौरे में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से सीरीज जीती है। शुभमन ने कप्तानी के अब तक के अनुभवों को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना और टीम की कमान संभालना गर्व और सम्मान की बात है। कप्तान के दौरान किसी भी हालात में सही विकल्प चयनित करना भी अहम होता है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित फैसले लेने का प्रयास करता हूं। कभी-कभी आपको एक साहसिक फैसला भी लेना होता है। यह इस बात पर आधारित रहता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन देने को लेकर कहा, हम लगभग 300 रन 270 रन आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश को सीरीज में अवसर दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी केवल विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी सहायता कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। वहीं कप्तान ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं और ध्यान में रखते हैं वो है अपनी टीम को किस प्रकार से जीत दिलायें। ऐसे में जब मैं बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में रन बनाने का ही ख्याल आता है।

रणजी मुकाबले आज से , ऋषभ कर सकते हैं दूसरे या तीसरें दौर से वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी मुकाबले बुधवार से यहां शुरु होंगे। इसमें आक्रामक विकेटर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी कर सकते हैं। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में उनपर सबकी नजरें रहेंगी। रणजी में युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद ऋषभ मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है पर अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी अहम है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

इस सत्र में कई युवा खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी। इसमें यश ढुल और प्रियांश आर्य व वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं गेंदबाज हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह भी टीम में जगह बनाने के प्रयास करेंगे।

इनके अलावा अनुभवी खिलाड़ी जैसे ईशान किशन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में

जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वहीं मोहम्मद शमी, हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे भी इस सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। रहाणे के लिए यह संभवतः आखिरी रणजी ट्रॉफी होगी।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप कप खेलने के इच्छुक हैं लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और 'वर्तमान में रहना जरूरी है'।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा, '50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा।'

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा, 'उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल श्रृंखला खेले।' ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। गंभीर से जब पूछा गया कि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ी में किन गुणों को देखते हैं तो उन्होंने कहा, 'इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है।'

उन्होंने कहा, 'हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के बाद भी डब्ल्यूटीसी अंकतालिक में तीसरे नंबर पर ही है भारतीय टीम

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां टेस्ट सीरीज में मिली जीत के बाद भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारतीय टीम की स्थिति में बदलाव नहीं आय है और वह पहले की तरह ही तीसरे स्थान पर ही बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत और श्रीलंकाई टीम 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम का अंक प्रतिशत बढ़कर 61.90 पर पहुंच गया है पर इसके बाद भी वह दूसरे स्थान पर चल रही श्रीलंका से पीछे है। भारतीय टीम अब तक सात मैचों में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक हासिल किए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के अंक उससे अधिक हैं। वेस्टइंडीज लगातार पाँच टेस्ट हारने के बाद छठे स्थान पर फिसल गयी है। भारत को अब अगली टेस्ट सीरीज घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलनी है, उसमें अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो वह शीर्ष दो में पहुंच सकती है।

आ रही है ऋतिक रोशन की नई वेब सीरीज, सबा आजाद भी आएंगी नजर

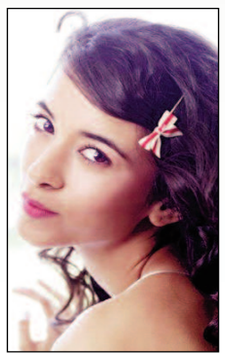

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक ओर जहां वह कृष 4 में डायरेक्शन की कमान संभालने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि, उनकी यह पारी एक्टर के तौर पर नहीं होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने एक नई ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस का हिस्सा ने हाथ मिलाया है। हालांकि, सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे तत्काल स्टॉर्म नाम दिया गया है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन इस सीरीज को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन बोले- सीरीज की कहानी दिलचस्प और सच्चाई से भरी

बतौर प्रोड्यूसर, अपनी ओटीटी पारी के लिए ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म, ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने का एक शानदार मौका दिया। जिस चीज ने मुझे इस सीरीज की तरफ खींचा, वह है अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी, दमदार और यादगार किरदारों से भरी हुई है। मैं इसको लेकर बहुत एक्साइटेड हूं।

दमदार महिला किरदारों की कहानी होगी स्टॉर्म

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, गौरव गांधी कहते हैं, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मौका देना है, चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएं। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेंटेड स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने आगे कहा, 'स्टॉर्म, सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है, जिससे आगे और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स आएंगे। यह दमदार महिला किरदारों की दिलचस्प कहानी है। हमें यकीन है कि दुनियाभर के दर्शकों को यह पसंद आएगी।

मेल एक्टर्स को लेकर कभी हेडलाइन नहीं बनी

अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं

दीपिका पादुकोण जब से संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर हुईं इंडस्ट्री में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग को लेकर अलग बहस छिड़ गई। कथित तौर पर दीपिका ने काम के घंटों में असहमति के चलते ही फिल्म छोड़ी थी। इंडस्ट्री में तमाम लोग दीपिका के सपोर्ट में आए, तो कुछ ने विपरीत टिप्पणी की। अब पहली बार खुद दीपिका पादुकोण ने इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है।

यह मेरा तरीका नहीं

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में जोर-शोर से चल रही इस बहस पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा, मैंने ये कई लेवल्स पर किया है, मेरे लिए ये नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि पेमेंट जैसी चीजों के मामले में भी मुझे जो कुछ भी मिला, उससे निपटना पड़ा। मुझे नहीं पता इसे क्या कहूं, लेकिन मैं हमेशा अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं और किसी अजीब वजह से कभी-कभी ये सार्वजनिक हो जाती हैं। यह मेरा तरीका नहीं है। न ही मैं ऐसे पली-बढ़ी हूं। लेकिन हां, अपने लिए बोलना और अपनी लड़ाई चुपचाप व गरिमा के साथ करना ही मेरा तरीका है।

दीपिका पादुकोण ने पुरुष कलाकारों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, एक महिला होने के नाते अगर यह दबावपूर्ण या कुछ और लगता है, तो ऐसा ही हो। मगर, इसमें कोई सीक्रेट नहीं कि कई सुपरस्टार्स, मेल सुपरस्टार्स इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में आठ घंटे काम करते आए हैं। वर्षों से वे ऐसा कर रहे हैं। इसकी कभी हेडलाइन नहीं बनी हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं नाम नहीं लेना चाहती, जिससे कि यह बड़ा मुद्दा बने। मगर, यह बात सब जानते हैं कि कई मेल एक्टर्स दिन में आठ घंटे काम करते हैं। कुछ सोमवार से शुक्रवार तक आठ घंटे काम करते हैं और वीकएंड में काम नहीं करते हैं।

दीपिका के फाउंडेशन को हुए 10 वर्ष

दीपिका पादुकोण वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के मौके पर मध्य प्रदेश गई थीं। वहां उन्होंने अपने फाउंडेशन लिव लव लाफ के 10 साल पूरे होने को सेलिब्रेट किया। एक्ट्रेस का यह फाउंडेशन देशभर में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहा है। दीपिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी।

स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी से बाहर हुई दीपिका

दीपिका पादुकोण ने फिल्म स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग में काम करने की शर्त रखी थी। बिटिया के जन्म के बाद उन्होंने मेकर्स के सामने यह मांग रखी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया और दीपिका ने दोनों फिल्में छोड़ दीं।

अब हालिया इंटरव्यू में दीपिका ने विस्तार से इस पर बात की है। उन्होंने वर्किंग टाइमिंग को लेकर नए सिरे से छिड़ी बहस पर रिएक्शन दिया। उन्होंने बहुत सलीके से कहा कि वे अपनी लड़ाइयां खुद लड़ती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा इंडस्ट्री में हो रही उन बातों का भी जिक्र किया, जहां बराबरी, इंसाफ और सम्मान की चर्चा होती है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे।

बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से शादी करेंगी तृषा कृष्णन!

तृषा कृष्णन उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अफवाहें उड़ रही थीं कि वो अभिनेता थलापति विजय के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि अब एक खबर लोगों को हैरान कर रही हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि वो एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से करने वाली हैं शादी!

रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शादी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने ईमानदारी से कहा कि अगर उन्हें सही व्यक्ति मिले तो वह शादी करने को तैयार हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि अभी सही समय नहीं आया है। जहां तक उनके माता-पिता की बात है, तो उन्होंने अभी तक चुप्पी साध रखी है, उन्होंने अभी तक न तो इन अफवाहों की पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

तृषा कृष्णन का वर्कफंट

तृषा कृष्णन जल्द ही फिल्म 'विश्वंभरा'में नजर आएंगी। इस फिल्म में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'विश्वंभरा' की कहानी रहस्य, रोमांच से भरी है। तृषा और चिरंजीवी के अलावा फिल्म में आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

फिर मोहब्बत और परिवार के बीच फंसेंगे अजय देवगन, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट आई सामने

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' जल्द ही रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एक एज गैप वाले कपल की लव स्टोरी है। इस बार भी अजय देवगन और रकुल प्रीत लीड रोल में होंगे। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' से जुड़ी अपडेट शेयर की है। फिल्म कब रिलीज होगी, यह फैंस को बताया है। फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट 14 नवंबर 2025 है। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी शेयर किया गया है।

तुनिषा के जाने के बाद अब प्यार से डर लगता है

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है।

वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं।

अपने नए शो के बारे में वह कहते है, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं। ये ही लोग मेरे लिए लड़ीं और मेरे साथ खड़ी रहीं। आज जब मैं दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर अपने करियर को रिवाइव कर पाया, तो सबसे ज्यादा गर्व इन्हीं लोगों को हुआ है।

मेरी मां की दुआ काम आई

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

कई बार नींद नहीं आती...

तुनिषा शर्मा की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद क्या शीजान को प्यार -मोहब्बत जैसी बातों से विरक्ति हुई है? इस पर वह कहते हैं, देखिए प्यार से डर लगता है अब। कभी -कभी नींद नहीं आती। मगर जिंदगी में आगे बढ़ना पड़ता है। मुझे म्यूजिक पसंद है। गजलें और शायरी में बहुत रुचि है। क़तील शिफ़ाई, अहमद फ़राज़, राहत इंदौरी साहब, बशीर बद्र, गुलजार जैसे तमाम शायरों को पढ़ता-सुनता हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।